●वर्ष : 16 ●अंक : 226 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 09 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

तेलंगाना में सड़क हादसे में दो कांस्टेबल की मौत

नूना न्यूज एजेंसी।

तेलंगाना। के सिद्दीपेट जिले में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से रविवार को बाइक सवार दो पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा गजवेल शहर में तब हुआ जब दोनों कांस्टेबल मैराथन में शिरकत करने के लिए हैदराबाद आ रहे थे। दोनों पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी उम्र करीब 40-45 साल के बीच थी। सिद्दीपेट की पुलिस आयुक्त बी. अनुराधा ने अस्पताल का दौरा किया और मृतकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इन कांस्टेबल के परिजनों से भी मुलाकात की। पुलिस ने बताया कि इस बाबत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली में आज सुबह से चल रही ठंडी हवाएं, उत्तर भारत में कब तक आएगी शीतलहर, जानिए

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड ने दस्तक दे दी है और शीतलहर का आगाज भी हो गया है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार आनेवाले दिनों में उत्तर भारत में पारा और लुढ़कने वाला है. साथ ही आज दिल्ली के कई इलाकों में बारिश की संभावना भी जताई गई है. आईएमडी की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली के कई इलाकों में आज हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है. बारिश के कारण दिल्ली का तापमान गिर सकता है।

›› शनिवार थी सबसे ठंडी सुबह

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को इस मौसम की सबसे ठंडी सुबह रही. शनिवार को न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस कम था. वहीं आज सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्का कोहरा छाया रहा, क्टऊ के अनुसार न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. सोमवार और मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है. यानी आने वाले दिनों में ठंड का प्रकोप और बढ़ने वाला है।

यूपी, पंजाब में होगी बारिश

उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में भी ठंड का आगाज हो गया है. दिल्ली के अलावा इन राज्यों के भी कई हिस्सों में बारिश होने का पूवार्नुमान जताया गया है. यूपी के बरेली, बहराइच, मेरठ,गोरखपुर सहित कई इलाकों में दो दिन तक बारिश होने की आशंका जताई गई है. इसी तरह से पंजाब के भी कई हिस्सों में रविवार और सोमवार को बारिश होने की संभावना है. हिमचाल में भी रविवार और सोमवार को शिमला, चंबा, कांगड़ा, स्पीति में बारिश होने का अनुमान है।

अगस्त 28, 2015 को प्रकाशित मिड-डे की रिपोर्ट, जिसका शीर्षक था, "बिहार में प्रदर्शनकारी शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया (आर्काइव यहां), में उसी विरोध प्रदर्शन के दृश्य मौजूद थे, जिसका श्रेय एएनआई को दिया गया था. रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार राज्य मदरसा शिक्षक संघ द्वारा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसमें दो साल से लंबित वेतन की मांग की गई थी. प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर अपनी शिकायतों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलना चाहा, लेकिन पुलिस ने लाठीचार्ज करके उन्हें तितर-बितर कर दिया।

शंभू बॉर्डर पर किसानों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस

दागे गए आंसू गैस के गोले, रुका मार्च

›› किसानों के पास आगे बढ़ने की अनुमति नहीं

पुलिस का कहना है कि सभी किसानों के पास दिल्ली जाने की अनुमति नहीं है। पुलिस ने बताया कि उनके पास 101 किसानों के नाम की लिस्ट है। इस लिस्ट में जिन किसानों के नाम है, उन्हें ही दिल्ली जाने की अनुमति दी जाएगी। पुलिस का कहना है कि लिस्ट में जिन किसानों का नाम है, वो जत्थे का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा पुलिस के अधिकारी ने यह भी बताया कि किसान उन्हें पहचान नहीं करने दे रहे हैं।

नूना न्यूज एजेंसी।

पंजाब। और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर रविवार को किसानों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस के बाद झड़प देखने को मिली। बता दें कि किसानों ने रविवार को 12 बजे दिल्ली की ओर कूच करना शुरू किया। लेकिन सीमा पर मौजूद सुरक्षाबलों ने उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इस वजह से किसानों और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हो गयी। पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया, जिसकी वजह से माहौल और ज्यादा गरमा गया।

शंभू सीमा पर तैनात हरियाणा पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'हम पहले उनकी (किसानों की) पहचान करेंगे और फिर उन्हें आगे जाने देंगे। हमारे पास 101 किसानों के नामों की सूची है, और वे लोग नहीं हैं। वे हमें अपनी पहचान नहीं करने दे रहे हैं। वे एक भीड़ के रूप में आगे बढ़ रहे हैं।'

›› किसानों ने क्या कहा?

पुलिस की टिप्पणी पर एक प्रदर्शनकारी किसान ने कहा, 'उनके (पुलिस) पास जो सूची है, वह गलत है - सूची में यहां आने वाले किसानों का नाम नहीं है। हमने उनसे (पुलिस से) कहा है कि हमें आगे बढ़ने दें और हम उन्हें अपना पहचान पत्र दिखाएंगे। पुलिस कह रही है कि हमारे (किसानों) पास आगे बढ़ने की अनुमति नहीं है, तो हमें अपनी पहचान क्यों साबित करनी है? हम बातचीत के जरिए चीजों को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन किसी भी तरह हम आगे बढ़ेंगे। मैंने उनसे (पुलिस से) कहा कि वे हरियाणा चले जाएं क्योंकि यह पंजाब की जमीन है।'

›› क्या है पूरा माजरा?

बता दें, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के वास्ते 101 किसानों का एक समूह दिल्ली की ओर कूच कर रहा है। इससे पहले किसानों के जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली कूच करने की कोशिश की थी, लेकिन कुछ मीटर आगे बढ़ने के बाद उन्हें हरियाणा पुलिस की ओर से लगाए गए भारी अवरोधकों का सामना करना पड़ा। इस दौरान भी किसानों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई और पुलिस को आंसूगैस के गोले दागने पड़े। इस झड़प में कुछ किसान घायल हो गए थे, जिसकी वजह से किसानों ने दिल्ली कूच स्थगित कर दिया था।

›› किसान नेता की प्रतिक्रिया

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, 'हमारे 101 किसानों और मजदूरों का 'जत्था' पहुंच चुका है। हमने पहले ही सूची जारी कर दी है, अगर उन्होंने (पुलिस) तय किया है कि वे हमें आगे बढ़ने देने से पहले आईडी की जांच करेंगे, तो उन्हें हमें बताना चाहिए कि हम इसमें सहयोग करेंगे। हमने अनुशासन दिखाया है और आगे भी दिखाते रहेंगे। वे आज आंसू गैस का अधिक उपयोग कर रहे हैं, क्योंकि हवा का रुख हमारी ओर है। हम किसी भी तरह की कुबार्नी के लिए तैयार हैं। समाधान पीएम के पास है वे समस्याओं का निपटारा करें या हमें दिल्ली मार्च करने दें।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वाताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती। तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निमार्ता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

मौसम ने बदली करवट : क्या है पछुआ पवन, जिससे बढ़ती है ठिठुरन?

›› दोनों ध्रुवीय इलाकों में पवन की अलग दिशा

उत्तर भारत में पछुआ पवन शीतलहर की दस्तक दे रही है. पछुआ पवन पृथ्वी के दोनों गोलार्द्धों में प्रवाहित होने वाली हवा की किस्में हैं. पश्चिम दिशा से पूर्व की ओर चलने के कारण इन्हें पछुआ पवन या या वेस्टर्लीज कहा जाता है. उत्तरी गोलार्द्ध में यह हवा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर एवं दक्षिणी गोलार्द्ध में उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर बहती है।

›› गर्मी में भी ठंडक का अहसास देती है पछुआ पवन

जब-जब पछुआ पवन चलती है तो तापमान में गिरावट आ जाती है. पश्चिम दिशा की ओर से आने वाली पछुआ हवाओं के चलने पर हर मौसम में ठंडक महसूस होती है. जब सर्दियों में यह पवन चलती है तो तापमान तेजी से गिरने लगता है।

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत में तापमान में गिरावट आने के साथ ठंड बढ़ गई है. रविवार की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया जबकि दिन में अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं पहुंच सका. दिल्ली एनसीआर में रविवार को आसमान में बादल घुमड़ते रहे और सूर्य की किरणों को रोकते रहे. उत्तर भारत में इन दिनों पछुआ पवन चल रही है जो कि सर्दी बढ़ने के पीछे एक प्रमुख कारण है।

उत्तर भारत में ठंड अपना जोर दिखाने लगी है. मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान जताया है. इससे शीतलहर की स्थिति बन जाएगी. रविवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला जब अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच अंतर कम हो गया और आसमान में हल्के बादल छाने लगे. उत्तर भारत में आने वाले कुछ दिनों में बारिश होने की संभावना है।

पछुआ पवन चलने के पीछे तापमान जहां एक प्रमुख कारण होता है वहीं भौगोलिक स्थितियों और धरती की अपने अक्ष पर गतिशीलता वगैरह से भी इस हवा की चाल प्रभावित होती है. धरती के पश्चिम से पूर्व की तरफ घूमने के कारण पछुआ हवाएं चलती हैं. पछुआ का मतलब पश्चिम से है।

भारत में पछुआ पवन पहाड़ों से होकर आती है. हिमालय सहित अन्य ग्लेशियर के संपर्क में आकर आने वाली हवा का तापमान बहुत कम हो जाता है. इसके विपरीत पूर्व की ओर से चलने वाली हवा अलग भौगोलिक स्थितियों से गुजरती है इसलिए उसका तपमान कम नहीं होता।

पछुआ पवन जहां बड़े इलाके को प्रभावित करती हैं वहीं स्थानीय ठंडी हवाएं भी स्थान विशेष के मौसम में बदलाव का बड़ा कारण बनती हैं. स्थानीय धूल भरी हवाएं बहुत ठंडी होती हैं जो शीत लहर की स्थिति पैदा करती हैं. स्थानीय ठंडी हवाओं के उदाहरण मिस्ट्रल, बोरा, नॉर्थर्स, बफीर्ला तूफान, पुर्गा, लैवेंडर, पैम्परो, बिसे वगैरह हैं. यह दुनिया के अलग-अलग इलाकों में चलती हैं।

सीरिया के राष्ट्रपति असद देश छोड़कर भागे : युद्ध निगरानी संस्था

नूना न्यूज एजेंसी।

सीरिया में युद्ध शनिवार को भी बढ़ता रहा क्योंकि विद्रोही बलों ने कहा कि उन्होंने जॉर्डन के पास दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया है, और पिछले सप्ताह चौथे प्रमुख सीरियाई क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। 2020 के बाद से पहले हमले में जब विद्रोही समूहों को देश के सुदूर उत्तर में धकेल दिया गया था, हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) समूह के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने सीरिया के राजनीतिक परिदृश्य को अस्थिर करते हुए अलेप्पो, हमा और होम्स पर नियंत्रण कर लिया है। अचानक हुए इस हमले ने ईरान सहित सीमा पार से चिंता पैदा कर दी है, जिसने युद्धग्रस्त क्षेत्र से अपने नागरिकों और अधिकारियों को निकालना शुरू कर दिया है। विद्रोह सीरिया के तीन प्राथमिक सहयोगियों के लिए सापेक्ष कमजोरी के क्षण में आता है, जो कि उनके अपने क्षेत्रीय संघर्षों इजराइल के साथ ईरान के तनाव यूक्रेन पर रूसी सेना का आक्रमण और इजराइल के खिलाफ हिजबुल्लाह की लड़ाई। दारा पर विद्रोहियों का कब्जा सीरियाई विद्रोहियों के दावे के बाद हुआ है कि वे देश के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स तक पहुंच गए हैं, जिससे उन्हें सत्ता पर राष्ट्रपति बशर अल-असद की पकड़ बनाए रखने के लिए रणनीतिक रूप से अन्य शहरों पर कब्जा करने की स्थिति मिल गई है। सुन्नी मुस्लिम विद्रोहियों ने होम्स पर कब्जा कर लिया, तो इससे उन्हें दमिश्क के तट से दूर जाने का रास्ता मिल जाएगा। यह तट असद के अल्पसंख्यक अलावाइट संप्रदाय का गढ़ है और जहां उनके रूसी सहयोगियों का नौसैनिक अड्डा और हवाई अड्डा है। रिपोर्टों में कहा गया है कि होम्स में विद्रोहियों के हमले से बचकर हजारों लोग गुरुवार को लताकिया और टार्टस के भूमध्यसागरीय तटीय क्षेत्रों की ओर भाग गए थे। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो में राजमार्गों पर वाहनों की भीड़ दिखाई दे रही है क्योंकि निवासी होम्स से भाग रहे हैं। सीरियाई राज्य टीवी के अनुसार, सीरिया में रूसी समन्वय केंद्र का हवाला देते हुए, शुक्रवार को हामा, इदलिब और अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में विद्रोही मुख्यालयों को निशाना बनाकर किए गए रूसी-सीरियाई हवाई हमलों में कम से कम 200 विद्रोही मारे गए।

सीरिया में तेजी से बिगड़ रहे हालात

मध्यप्रदेश के मुरैना में पुलिस शस्त्रागार से 200 कारतूस चोरी, जांच शुरू

नूना न्यूज एजेंसी।

मुरैना। जिले में पुलिस के विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के शस्त्रागार से कथित तौर पर नौ एमएम पिस्तौल और सेल्फ-लोडिंग राइफल के 200 कारतूस चोरी हो गए। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। मुरैना के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल धाकड़ ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शनिवार को चोरी का मामला सामने आने के बाद एसएएफ की दूसरी और पांचवीं बटालियन के कमांडेंट ने अपने कंपनी कमांडरों को निलंबित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि शस्त्रागार के गार्ड ने पुलिस लाइन के रिजर्व इंस्पेक्टर (आरआई) को चोरी की सूचना दी जिसके बाद कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। उन्होंने एसएएफ के दो शस्त्रागारों से पिस्तौल चोरी होने की बात से इनकार किया। चोरी की घटना के बाद चंबल जोन के पुलिस महानिरीक्षक सुशांत सक्सेना ने

घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांचकताओं से जानकारी ली। बार-बार प्रयास करने के बावजूद सक्सेना से फोन पर संपर्क नहीं हो पाया।

'लोगों को गुमराह करना बंद करें और जनादेश स्वीकार करें'

››› विपक्ष के आरोपों पर शिंदे का पलटवार

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बारे में लोगों को गुमराह करने और उनके जनादेश को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने बताया कि विधानसभा चुनाव में महायुति को जीत मेहनत के वजह से मिली है और महाविकास अघाड़ी को लोगों का जनादेश

स्वीकार करना होगा। उन्हें विकास कार्यों में सरकार का समर्थन करना होगा। महाविकास अघाड़ी (भाजपा, शिवसेना, राकांपा) ने विधानसभा चुनाव में 288 नें से 230 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को केवल 46 सीटों पर ही जीत मिली। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद विपक्ष ने ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया और मतपत्रों के इस्तेमाल की मांग की।

›› शरद पवार के बयान के बाद आया शिंद का बयान

शिंदे ने बताया कि विपक्ष ने झारखंड में विधानसभा चुनाव और महाराष्ट्र के नांदेड़ और केरल के वायनाड लोकसभा सीटों पर उपचुनाव में जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि न तो कोई गैर कानूनी काम होगा और न ही किसी के साथ अन्याय होगा। सरकार संविधान के अनुसार काम करती है।

शिवसेना नेता ने कहा, "लोगों ने हमें हमारे काम के लिए फिर से चुना। रोना बंद करें और सच को स्वीकार करें। उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्षी दलों के जिन सदस्यों ने ईवीएम मुद्दे के विरोध में शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया था, उन्होंने रविवार को विधायक के रूप में शपथ कैसे ली।" उन्होंने पूछा, "क्या इसका मतलब यह है कि वपक्ष ने इस मुद्दे को छोड़ दिया?

बता दें कि वोटों को लेकर शिंदे का बयान राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों को मिले वोटों और जीती गई सीटों के बीच तुलना आश्चर्यजनक थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एक वरिष्ठ नेता होने के नाते शरद पवार को देश को गुमराह नहीं करना चाहिए।

›› शिंदे ने विपक्ष को घेरा

विपक्ष को घेरते हुए शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा, "जब आप जीतते हैं, तब ईवीएम में गड़बड़ी नहीं होती। जब आप हरते हैं, तभी मशीन में गड़बड़ी होती है। यह सही दृष्टिकोण नहीं है।" उन्होंने कहा कि विपक्ष को जनता का जनादेश स्वीकार करना होगा। लोगों ने विपक्ष को उनका स्थान दिखा दिया है। जनता ने बता दिया कि वे उन लोगों को वोट नहीं देते जो केवल अपने घरों में बैठे रहते हैं। एकनाथ शिंदे ने सवाल पूछा, "लोकसभा चुनाव में महायुति को 2.48 करोड़ वोट मिले, जो 43.55 फीसदी है। एमवीए को 2.5 करोड़ वोट मिले, जो 43.71 प्रतिशत था। फिर भी विपक्ष को 31 सीटें और महायुति को 17 सीटें मिलीं। क्या हमनें कहा कि ईवीएम घोटाला हुआ है?" उन्होंने आगे कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के बारे में भ्रम पैदा करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

स्वास्थ्य उद्योग ने देखा 'डबल योर प्रॉफिट, रिड्यूस योर हैसल्स' पुस्तक का भव्य विमोचन

नई दिल्ली। 7 दिसंबर 2024 – सारा हेल्थकेयर द्वारा आयोजित ऑनर फेस्ट 2024 का आयोजन नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में किया गया, जहां 'डबल योर प्रॉफिट, रिड्यूस योर हैसल्स' पुस्तक का भव्य विमोचन हुआ। इस पुस्तक के लेखक सारा हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक राजेश कानोडिया हैं। यह पुस्तक मेडिकल डीलरशिप उद्यमियों के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में पेश की गई है, जिसमें मूल्य प्रतिस्पर्धा, भुगतान में देरी और ग्राहक बनाए रखने जैसे प्रमुख उद्योगगत मुद्दों से निपटने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां प्रदान की गई हैं। इस विशेष कार्यक्रम में देशभर के स्वास्थ्य क्षेत्र के दिग्गज, सरकारी सेवा के गणमान्य व्यक्ति और मेडिकल डीलर शामिल हुए। कार्यक्रम के उद्घाटन कर्ता श्री तरुण चुग, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, मुख्य अतिथि डॉ. संजय मयुख, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह बिहार विधान परिषद के सदस्य, विशिष्ट अतिथि श्री संजीव टेकडीवाल की उपस्थिति ने आयोजन को गौरवान्वित किया। सभी अतिथियों ने पुस्तक की प्रासंगिकता और महत्व को सराहा। श्री चुग ने भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के करोना काल में किए गए उपलब्धियों को बताया साथ ही साथ आपदा के बाद से इस क्षेत्र में बहुत विकास हुआ हैं इसे "मेडिकल डीलरों के लिए अवश्य पढ़ी जाने वाली पुस्तक" करार दिया, जबकि डॉ. मयुख ने इसे एक रणनीतिक मार्गदर्शिका बताया, जो तेजी से बदलते स्वास्थ्य उद्योग परिदृश्य में डीलरों को दिशा और दृष्टि प्रदान करने में सहायक होगी। मंच का संचालन डॉ संजय राजपाल एवं मिनाक्षी कानोडिया ने किया।धन्यवाद अपर्णा कानोडिया ने किया। कार्यक्रम का एक और प्रमुख आकर्षण था डिस्ट्रीब्यूटर फेलिसिटेशन सेरेमनी, जिसमें सारा हेल्थकेयर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले वितरकों को उनकी उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने न केवल वितरकों की उपलब्धियों को मान्यता दी, बल्कि उन्हें कंपनी की सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों को देशभर में उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण के प्रति और भी अधिक प्रतिबद्ध किया। इस अवसर को और अधिक भावनात्मक और प्रेरणादायक बनाते हुए, उन बच्चों का सम्मान किया गया, जिन्हें राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इन बच्चों की साहस और दृढ़ता की कहानियों ने सभी उपस्थित लोगों को प्रेरित किया और सारा हेल्थकेयर के मूल मूल्यों का प्रतीक प्रस्तुत किया।

श्री जयराम रमेश, संसद सदस्य, महासचिव (संचार) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, द्वारा जारी बयान

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने "चीन के साथ भारत के संबंधों में हालिया विकास" पर संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री द्वारा अपनी ओर से दिए गए बयान का गंभीरतापूर्वक अध्ययन किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मोदी सरकार की चिर-परिचित राजनीति का हिस्सा है, कि सांसदों को किसी तरह की स्पष्टीकरण की मांग नहीं करने दी गई। संसद को चीन के साथ सीमा पर चुनौतियों से निपटने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करने का अवसर नहीं दिया गया। भारत-चीन सीमा संबंधों के कई पहलुओं की संवेदनशील प्रकृति की पूरी तरह से कदर करते हुए, कांग्रेस पार्टी के पास मोदी सरकार से पूछने को 4 सीधे सवाल हैं। बयान में कहा गया कि "सदन उन परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकि फ है जिनके कारण जून 2020 में गलवान घाटी में हिंसक झड़प हुई।" यह एक दुर्भाग्यपूर्ण रिमाइंडर है, क्योंकि इस गंभीर संकट पर देश का पहला आधिकारिक बयान 19 जून 2020 को तब आया जब प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट दी थी और पूरी तरह से झूठ झूठ बोलते हुए कहा थाः "न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है।" यह न सिर्फ.हमारे शहीद सैनिकों का अपमान था बल्कि इससे बाद की बातचीत में भारत की स्थिति भी कमजोर हुई। आखिर वो कौन सी बात थी जिसने प्रधानमंत्री को यह बात जोर देकर बोलने के लिए मजबूर किया?

भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों ही जनता की सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति कर रही हैं और अपराध रोकने में नाकाम रही हैं : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, दिसम्बर : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि खौफ में जीने को मजबूर दिल्लीवासियों की रक्षा और सुरक्षा करने की बजाय सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायक बनने की बजाय दिल्ली के नागरिकों का मनोबल कम करने के लिए हर वो संभव कोशिश कर रहे है जिसके अरविन्द केजरीवाल भाजपा सरकार के साथ राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए बराबर के जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि वही केजरीवाल है जो एक निर्भया कांड पर दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित से इस्तीफा मांगते थे, प्रतिदिन औसतन 4-5 बलात्कार और यौन उत्पीड़न की घटनाओं की जिम्मेदारी लेकर केजरीवाल दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी का इस्तीफा क्यों नही मांगते? देवेन्द्र यादव ने कहा कि अपराध में नम्बर वन राजधानी दिल्ली में भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप की राजनीति करके जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल स्वयं बसें और मेट्रों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए आश्वस्त नही है, जबकि महिला सुरक्षा के लिए लगाए गए 50 प्रतिशत अधिक सीसीटीवी कैमरे काम ही नही करते? बसों के पैनिक बटन फेल होने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है, अरविन्द केजरीवाल इस पर चुप क्यों है? उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा घोषित 90 हजार स्ट्रीट के बदले एलईडी लगाने के वायदे का क्या हुआ, जबकि दिल्ली के रिहायशी इलाकों की सड़कों पर अंधेरी और असुरक्षित हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि राजधानी में बढ़ते गैंगवार, गोलीबारी, हत्या, बलात्कार, यौन शोषण और झपटमारी की घटनाओं में सबसे ज्यादा हजार्ना महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। महिलाओं को बाहर निकलते के साथ उन्हें हमेशा अपनी जान और सामान की चिंता रहती है, बसों, मेट्रो, रिक्शा, पार्क, सड़क कहीं भी सुरक्षित नही है। यहां तक की घरों में भी असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओं का नारा पूरी तरह खत्म हो गया है। जब बेटी घर से बाहर निकलेगी तो अत्याचार और उत्पीड़न को झेलेगी, फिर कहां पढ़ेगी। भाजपा सरकार का गृह मंत्रालय दिल्ली की कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने में पूरी तरह असफल हो गया है, गृहमंत्री अमित शाह अपनी जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें।

--- योद्धा माधोसिंह भंडारी --

– डॉ. जया शुक्ला

गढ़वाल में भड़ पुकारे जानेवाले योद्धा माधोसिंह भंडारी की गाथाका गढ़वालके पवाड़ों-गाथाओं पर गहरा प्रभाव है। तीलू रौतेली, जीतू बगडवाल, रीखोला नेगी, रामी बौराण जैसे लोकप्रिय गीत गढ़वाल की गाथाओं और पवाड़ोंमें वैसेही प्रसिद्धहैं, जैसे राजस्थान में आल्हा गायन। माधोसिंह भंडारी माहयोद्धा थे, जो गढ़वालके राजा महिपत शाह के दौरके थे, और राजधानी श्रीनगर के नजदीक मलेथा गांवके थे। तिब्बतकी तरफसे गढ़वाल राज्यकी सीमापर अक्सर हमले होतेथे। तीन बार खुद योद्धा राजा महिपतशाह तिब्बतियोंको भगाचुके थे लेकिन वह मुगलोंके हमलोंको रोकते रोकते थकचुके थे। कहते हैं कि राजाने वीर योद्धा माधोसिंह भंडारी को बुलावा भेजा और तिब्बतियोंको खदेडने यको कहा। माधोसिंह तिब्बत निकलपड़े और कई सालोंबाद लौटे, जिसे गाथाओं में माधोसिंह भंडारी की तिब्बत विजय गाथा कहाजाता है। महिपत शाह 1622 में राजा बने। महाराज श्यामशाह के अलकनंदा में डूबनेके बाद महिपतशाह को गद्दी मिली। महिपत शाह महान योद्धा थे और मुगलों के साथ ही तिब्बत जैसे मुश्किल क्षेत्रमें कईबार युद्ध लड़ा। आखिर लड़ते लड़ते 1631 में वीरगतिको प्राप्त होगये। इधर खोजकर्ता कहते हैं कि 1830 में कुमायूं में जन्मे नैनसिंह रावत तिब्बत की धरती पर विकट रास्तोंसे पैदल जानेवाले पहले भारतीय थे। वह सर्वेकर्ता दो अंग्रेज वंधुओं के मार्गदर्शक बने और सफल यात्रा के बाद उन्हें सर्वे आफ इंडिया में सर्वेक्षक नियुक्त किया गया। नैनसिंह रावत को विकट हिमालय से तिब्बतका रास्ता बतानेवाला पहला व्यक्ति मानाजाता है, लेकिन गाथा कहती है कि उससे पहले गढवाल के राजा महिपतशाह के दरवार के भड़ माधोसिंह भंडारी ने तिब्बत जीता। इसका मतलब कि अंग्रेजों के साथ तिब्बत पहुंचनेवाले नैनसिंह रावत से बहुत पहले माधोसिंह भंडारी तिब्बत गए थे। यह भी कहते हैं कि राजा महीपतशाह और रीखोल नेगी उससे भी पहले तिब्बत सीमा तक गए और तिब्बतियोंको खदेड़ आए थे। सच क्या है यह शोध का विषय है।

देवेन्द्र यादव ने दिल्ली न्याय यात्रा के आखिरी 30वें दिन बवाना विधानसभा में कृष्ण विहार, राठी काम्पलैक्स से शुरू हुई और रिठाला विधानसभा की सैनी चौपाल नाहरपुर गांव में समाप्त हुई।

सुविधाजनक और उत्पादक कार्यस्थल का निर्माण, स्थानीय व्यवसायों के लिए बेहतर अवसर

नई दिल्ली, दिसम्बर : कार्यस्थल डिजाइन और नवाचार में अग्रणी कंपनी स्टीलकेस ने टर्नस्टैंड प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से नोएडा के सैक्टर 127 में अपना नया डीलर शोरूम लॉन्च किया है। यह शोरूम न केवल उत्तर भारत में स्टीलकेस की उपस्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि स्थानीय व्यवसायों को अत्याधुनिक कार्यस्थल डिजाइन के विकल्प भी प्रदान करेगा। इस शोरूम में स्टीलकेस के उन्नत उत्पाद, जैसे थिंक, जेस्चरट्रु और स्टीलकेस कार्मेनट्रु टास्क चेयर्स, मॉडर्न वर्कस्टेशन्स और सहयोगी फर्नीचर जैसे लेक्सको, माइग्रेशन एसई प्रो और फ्लेक्सकलेक्शन उपलब्ध हैं। ग्राहक यहां स्टीलकेस और विश्व प्रसिद्ध ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स का अनुभव ले सकते हैं। स्टीलकेस के भारत और सार्क के प्रबंध निदेशक तीर्थांकर बसु ने इसे नोएडा और एनसीआर क्षेत्र में कंपनी की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थान केवल एक शोरूम नहीं, बल्कि नवाचार, उत्कृष्ट सेवा और अनुभवों का केंद्र है। टर्नस्टैंड के डायरेक्टर्स विकास श्रीवास्तव और श्वेता श्रीवास्तव ने आधुनिक और उत्पादक कार्यस्थल बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रक्षा मंत्री ने जनता से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह किया

नई दिल्ली, दिसम्बर : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस (एएफएफडी) कोष में आगे आकर उदारतापूर्वक योगदान देने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे देश की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ-साथ उनके परिवारों का कल्याण सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। एएफएफडी के अवसर पर एक्स पर एक वीडियो संदेश में रक्षा मंत्री ने इस दिन को नागरिकों के लिए सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और समर्पण को पहचानने और उन बहादुर सैनिकों के प्रति अपने दायित्व को पूरा करने के संकल्प की पुष्टि करने का अवसर बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे सशस्त्र बल एक अभेद्य सुरक्षा कवच की तरह हैं, जो सभी स्थितियों में हमारी रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं न केवल बाहरी खतरों के खिलाफ, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी। हमारे सैनिकों का बलिदान और अनुशासन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जनता से अपना योगदान देने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि उनका योगदान सैनिकों और उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

सेना प्रमुख ने उत्तरी कमान की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को उधमपुर में स्थित उत्तरी कमान की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों के पेशेवर कामकाज और परिचालन में तालमेल कायम करने के प्रति कमान द्वारा की गई पहलों की सराहना की। भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) ने संयुक्त क्षमता को और बढ़ाने के उद्देश्य से हुई बैठक की अध्यक्षता भी की। थलसेना,वायु सेना, नौसेना और आईटीबीपी के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि उधमपुर स्थित कमान मुख्यालय का दौरा करने के बाद जनरल द्विवेदी ने लद्दाख रवाना हो गए।

हॉर्नबिल महोत्सव की रजत जयंती : परंपरा, एकता एवं संस्कृति के 25 वर्षों का उत्सव

नई दिल्ली, दिसम्बर : जनजातीय कार्य मंत्रालय देश के जनजातीय समुदायों की जीवंत कला, संस्कृति एवं विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देकर उन्हें सशक्त बनाने के अपने मिशन में अडिग है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने इस प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए हॉर्नबिल महोत्सव के 25वें संस्करण के लिए टीआरआई को सहयोग योजना के अंतर्गत सांकेतिक वित्तीय अनुदान स्वीकृत किया है, जो इसके इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नागालैंड में प्रतिवर्ष 1 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले हॉर्नबिल महोत्सव को अक्सर ह्यत्योहारों का उत्सव कहा जाता है और यह राज्य की सांस्कृतिक विविधता का एक भव्य समारोह है। नागालैंड की लोक-कथाओं के अनुसार पूजनीय पक्षी हॉर्नबिल के नाम पर मनाया जाने वाला यह महोत्सव राज्य के विभिन्न जातीय समूहों को उनकी साझा परंपराओं और रीति-रिवाजों को मनाने के लिए एकजुट करता है। हॉर्नबिल महोत्सव वर्ष 2000 में अपनी शुरूआत के बाद से ही नागालैंड के सांस्कृतिक कैलेंडर का आधार रहा है, जो एक ऐसे राज्य की परंपराओं को उजागर करता है, जहां पर 60 फिसदी से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती है। राज्य की राजधानी से 12 किलोमीटर दूर किसामा स्थित नागा हेरिटेज गांव में मनाया जाने वाला यह उत्सव परंपराओं का अनूठा मिश्रण प्रदर्शित करता है।

किसानों के मार्च के मद्देनजर दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ाई गई

दिल्ली। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसानों के राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च के मद्देनजर रविवार को दिल्ली की सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है और सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सिंघु बॉर्डर पर फिलहाल कम संख्या में बलों को तैनात किया गया है, लेकिन पंजाब-हरियाणा सीमा के शंभू बॉर्डर पर स्थिति के अनुसार इसे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीमा पर और दिल्ली के मध्य भाग में सुरक्षा व्यवस्थाओं के कारण यातायात प्रभावित होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि पुलिस नोएडा सीमा पर भी नजर रख रही है, जहां उत्तर प्रदेश के किसानों का एक अन्य समूह धरना दे रहा है। अधिकारी ने कहा कि पुलिस हर प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। किसान एमएसपी के अलावा कर्ज माफी, किसानों एवं खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली दरों में बढ़ोतरी न करने की मांग कर रहे हैं। वे 2021 की लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को बहाल करने और 2020-21 में पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा दिए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की

दिल्ली। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास नेद्विमासिक मौद्रिक नीति पेश करने के एक दिन बाद शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दोनों की मुलाकात दास का विस्तारित कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले हुई। दास का तीन साल का विस्तारित कार्यकाल 10 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। वर्ष 2021 में, सरकार ने दास का कार्यकाल समाप्त होने से एक महीना पहले तीन साल बढ़ाने की घोषणा की थी।

प्रमुख स्वामी महाराज ने लाखों लोगों को प्रेरित किया, उन्हें साहस दिया : अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को अहमदाबाद में कहा कि बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के दिवंगत प्रमुख स्वामी महाराज ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और उन्हें परेशानियों का सामना करने व समाज के लाभ के लिए काम करने का साहस दिया। शाह ने यह बात नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित बीएपीएस संप्रदाय के कार्यकर्ता सम्मेलन में कही, जहां हजारों स्वयंसेवक उपस्थित थे। उन्होंने कहा, प्रमुख स्वामी महाराज ने लाखों लोगों के जीवन में आस्था का मंत्र जगाया, उन्हें कठिनाइयों से जूझने का साहस दिया और समाज के लिए कार्य करने के उद्देश्य से सभी को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रमुख स्वामी महाराज ने देश-विदेश में 1200 से अधिक मंदिरों का निर्माण कराया।

शराब ठेकेदार पर फायरिंग मामले में धारसूल का बिट्टू गिरफ्तार, 3 दिन के रिमांड पर

भूना, दिसंबर : जांडलीकला बस स्टैंड के समीप 9 अक्टूबर को दिनदहाड़े शराब ठेकेदार पर फायरिंग करके जानलेवा हमले में शामिल बिट्टू उर्फ कन्नू नामक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शराब ठेकेदार राजकुमार उर्फ राजा ने हत्या प्रयास मामले में होंडा एक्सेंट कार के चालक बिट्टू उर्फ कन्नू की पुलिस स्टेशन में पहुंचकर शिनाख्त की। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को शनिवार को न्यायालय में पेश करके तीन दिन के लिए रिमांड पर लिया है। पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपी ने कबूल किया है कि शराब ठेकेदार पर हमला करने वाले चार अन्य बदमाश विक्रम भांभू गैंग से जुड़े हुए हैं। सब इंस्पेक्टर रामपाल खिलेरी ने बताया कि पुलिस बिट्टू उर्फ कन्नू से रिमांड के दौरान उनके साथी बदमाशों के नाम उगलवाने तथा ठिकानों को लेकर पूछताछ करेगी। शराब ठेकेदार पर जानलेवा हमले के दो महीने बीत जाने के बाद पुलिस ने होंडा एक्सेंट कार के चालक बिट्टू उर्फ कन्नू को शुक्रवार की देर शाम को गिरफ्तार किया है। जबकि चार मुख्य हमलावर अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस ने 9 अक्टूबर को शराब ठेकेदार की शिकायत पर होंडा एक्सेंट कार में आए पांच बदमाशों के खिलाफ हत्या प्रयास व अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करके जांच-पड़ताल शुरू की थी।

शराब ठेकेदार व उसके दो सहयोगियों पर हुआ था जानलेवा हमला

कनौह गांव के 42 वर्षीय शराब ठेकेदार राजकुमार उर्फ राजा 9 अक्टूबर की दोपहर बाद फतेहाबाद से स्कॉर्पियो गाड़ी में अपने सहयोगी सुशील कुमार बिढ़ाईखेड़ा व जोगिंदर सिंह उर्फ जोगा के साथ जांडलीकला बस स्टैंड पर पहुंचे थे। उपरोक्त जांडलीकला के होटल पर आकर रुके तो अचानक भूना की साइड से होंडा एक्सेंट कार उनके पास आकर रुकी। जिनमें से चार बदमाश अपने- अपने दोनों हाथों में असला लिए हुए थे और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। लेकिन ठेकेदार राजकुमार उर्फ राजा व सुशील कुमार तथा जोगिंदर उर्फ जोगा ने स्कॉर्पियो की आड़ लेकर राजवाहे के दूसरी और कूद कर अपनी जान बचाई। परंतु ठेकेदार की जवाबी कार्रवाई करने और बस स्टैंड पर मौजूद ग्रामीणों के ललकारने के बाद उपरोक्त पांचों बदमाश होंडा एक्सेंट कार को फतेहाबाद की दिशा में भगाकर फरार हो गए थे। उपरोक्त चारों बदमाशों ने अपने अवैध असलों से सात राउंड फायर किए।गनीमत रही कि ठेकेदार व उसके दोनों साथियों में से किसी को भी गोली नहीं लगी और तीनों बाल- बाल बच गए थे।

शराब ठेकेदार पर पहले भी दो बार हो चुका है हमला, अब तीसरे हमले में भी भांभू गैंग के गुर्गों का हाथ

शराब ठेकेदार राजकुमार उर्फ राजा ने बताया कि जांडलीकला बस स्टैंड पर 9 अक्टूबर बुधवार की दोपहर बाद करीब ढाई बजे होंडा एक्सेंट कार में आए पांच बदमाशों ने उन पर जानलेवा हमला किया था। जिन्होंने मुझ पर व मेरे दोनों साथियों पर फायरिंग शुरू कर दी थी।इसलिए हमने खेतों में भाग कर जान बचाई और बदमाशों से बचने के लिए अपनी लाइसेंसी पिस्टल से दो राउंड जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। शराब ठेकेदार ने बताया कि विक्रम भांभू गैंगवार से जुड़े हुए बदमाशों ने ही हमला किए जाने की आशंका जताई थी जो सही साबित हुई है। क्योंकि उपरोक्त पांचों ही बदमाश विक्रम भांभू गैंग के गुर्गे हैं।

एसपी ने ठेकेदार की सुरक्षा के लिए गनर लगाया : शराब ठेकेदार राजकुमार उर्फ राजा ने बताया कि वर्ष 2019 में उनके ऊपर जानलेवा हमला होने के बाद पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद के माध्यम से वर्ष 2020 में पुलिस सुरक्षा दी गई थी। लेकिन जनवरी 2023 में पुलिस सुरक्षा हटा ली गई। ठेकेदार ने बताया कि उनकी जान को खतरा होने के बावजूद भी पुलिस सुरक्षा हटाने के पीछे बताया गया कि उनका शस्त्र लाइसेंस बन चुका है। उन्होंने बताया कि विक्रम भांभू गैंगवार के खिलाफ अभी दूसरे मामले में भी फैसला आना बाकी है। इसलिए उसकी सुरक्षा को बढ़ाया जाना चाहिए।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से दो डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 276 रहा जो कि खराब श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बेहद खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है। आईएमडी ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 94 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिन में बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

समस्याओं के निवारण हेतु रिजर्व पुलिस लाइन, लखनऊ में किया गया सैनिक सम्मेलन का आयोजन

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। आज दिनांक 08.12.2024 को पुलिस आयुक्त द्वारा संगोष्ठी सदन, रिजर्व पुलिस लाइन, लखनऊ में सैनिक सम्मेलन किया गया। जिसमें हाइब्रिड मोड पर जनपद के सभी थानों/कार्यालयों को जोड़ा गया। सम्मेलन में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), पुलिस उपायुक्त (अपराध) एवं समस्त जोन के पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्त, परिवहन शाखा, सवार पुलिस, रेडियो शाखा, निरीक्षक सी०सी०टी०एन०एस०, आर०टी०सी०, शस्त्रागार शाखा, प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा, अग्निशमन शाखा, अभिसूचना शाखा, यू०पी०-112, श्वान दल तथा समस्त शाखाओं के 400 अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे, एवं हाइब्रिड मोड पर सभी थानों/विभिन्न शाखाओं से 1150 अधिकारी/कर्मचारी आनलाइन उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों की समस्याओं को सुना गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों में से 05 पुलिस जवान द्वारा अपनी-अपनी समस्या रखी गयी। एवं 08 पुलिस जवान द्वारा हाइब्रिड मोड पर अपनी-अपनी समस्या बताई गयी है। जिसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया है। साथ ही साथ वार्षिक मन्तव्य लिखे जाने, नामिनी परिवर्तन की समस्या को दूर करने, वेतन संशोधन, वेतन मिलान, टी०ए० डी०ए० बिलों का भुगतान आदि समस्याओं को दूर करने हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं कर्मचारियों तथा उनके परिवारीजनों के समुचित इलाज हेतु पं० दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस योजना रू0-5,00,000/-(पांच लाख रुपए मात्र) का पंजीकरण हेतु बताया गया है। साथ ही पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण हेतु पुलिस ग्रीवान्स सेल का गठन किया गया है, जिसका सीज्यू०जी० नं०-7839861351 है। मुख्यमंत्री, उ0प्र0 की प्राथमिकता के आधार पर मॉर्निंग वाक भोर गश्त बिजिवलिटी बनाए रखने पर जोर दिया गया। चैन स्नैचिंग व चोरी तथा अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं, साथ ही साथ आदेशित किया गया है कि सभी पुलिस उपायुक्त अपने-2 जोन में प्रतिमाह सैनिक सम्मेलन का आयोजन करेंगे। एवं समस्याओं का निस्तारण कर 07 दिवस के अन्दर आख्या प्रस्तुत करेंगे। पुलिस आयुक्त ने आगामी महाकुम्भ मेला-2025 के दृष्टिगत कमिश्नरेट लखनऊ में भी विशेष सतर्कता रखने एवं यातायात प्रबन्धन सुदृढ़ बनाए रखने तथा समय-समय पर वाहन चेकिंग कर यातायात नियमों का पालन करायें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

आरटीआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के भरत लाल प्रजापति बने प्रदेश अध्यक्ष

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को आरटीआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया रजिस्टर्ड की एक बैठक मोहल्ला होली वाला निकट शिवाला मंदिर के पीछे भरत लाल प्रजापति के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें आरटीआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अली अहमद सैफी के इस्तीफा के बाद खाली हुए प्रदेश अध्यक्ष के पद पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव के द्वारा भरत लाल प्रजापति को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है, वही संगठन की कमान मिलते ही प्रदेश प्रभारी बने भरत लाल प्रजापति ने पूर्व की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणियों को बहाल कर दिया, वही बैठक में पहुंचे आरटीआई कार्यकताओं ने भरत लाल प्रजापति का फूल माला पहनकर स्वागत किया एवं शुभकामनाएं दी, इस मौके पर भरत लाल प्रजापति ने कहा कि आरटीआई एक ऐसी ताकत है जो भ्रष्टाचार पर प्रहार करती है हमारा संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ता रहेगा तथा प्रत्येक व्यक्ति को भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए आरटीआई अवश्य लगनी चाहिए, बैठक में मुख्य रूप से पुनीत अग्रवाल, नुसरत अली एडवोकेट, पूरन सिंह राणा, अजय रस्तोगी, नसरुद्दीन सैफी, अमर सिंह, मदन सिंह चौहान, राजेंद्र सिंह गहलोत, रमेश चंद्र चौहान, विक्रम सिंह, देवराज सिंह चौहान, तुषार कुमार, डालचंद सिंह आदि दर्जनों आरटीआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा निकाली गई शौर्य यात्रा में उम्ड़ा जन सैलाब

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा निकाली गई शौर्य यात्रा में हजारों की संख्या में सनातन धर्म के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, वहीं शौर्य यात्रा शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो गई ' शौर्य यात्रा नगर के सुखदेवी इंटर कॉलेज से प्रारंभ हुई जो संभल्यान मस्जिद, पुराना डाकघर, पुरानी जमा मस्जिद, पुरानी घास मंडी, से होती हुई रहरा रोड पर पहुंची वहां से वापस होती हुई नगर के मुख्य बाजार, इंदिरा चौक, अंबेडकर पार्क अमरोहा अड्डा, राजपूत कॉलोनी से होती हुई सुखदेवी इंटर कॉलेज के ग्राउंड में जाकर संपन्न हुई, शौर्य यात्रा में सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल तैनात रहा, बताते चले की एसडीएम सुनीता कुमारी, पुलिस क्षेत्र अधिकारी दीप कुमार पंत एवं दो सर्किलों के सी ओ व आसपास के थानो के थाना अध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे, शोभायात्रा के शांतिपूर्ण रूप से संपन्न होने पर प्रशासन ने भी राहत की सांस ली बताते चलें कि बजरंग दल द्वारा सुखदेवी इंटर कॉलेज से पहले शौर्य यात्रा लालबाग से निकाली जानी प्रस्तावित थी लेकिन प्रशासन द्वारा बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेताओं से देर रात तक विचार विमर्श के बाद रूड चेंज करके संबलयान मस्जिद से डायवर्ट कर दिया गया, शौर्य यात्रा से पूर्व मां भारती एवं श्रीराम जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया गया, वही शौर्य यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया शोभायात्रा में युवा हाथों में भागवा ध्वज लेकर जय श्री राम आदि के नारे लगा रहे थे, शौर्य यात्रा का उद्देश्य बताते हुए वक्ताओं ने कहा की शौर्य यात्रा का उद्देश्य हिंदुओं को जागृत करना है, इस मौके पर मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के लोगों में राजकुमार डूंगर, युवा नेता बंटी चौहान, वीरेंद्र शर्मा, विपिन कुमार, अशोक सैनी, विमल अग्रवाल, स्वामी हर मनोज दास, शिवम त्यागी, मोहित अग्रवाल, वेद प्रकाश यादव, अतुल अग्रवाल, कृष्ण कुमार शर्मा, विजय पारछा, कविता सैनी, नन्हे सिंह सैनी,राहुल हिंदुस्तानी, अंकुर प्रजापति, गिरजा शंकर बंसल, विपिन हिंदुस्तानी, संदीप गुप्ता, जगबीर मौर्य, आदि सहित भारी संख्या में सनातन धर्म के लोग मौजूद रहे।

हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के सांस्कृतिक संध्या पर कथक और बिहू नृत्य ने मन मोहा

सोहर गीत प्रस्तुत कर महिलाओं ने सांस्कृतिक मंच को सजाया

लोकतंत्र की शान /देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। आशियाना स्मृति उपवन में माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि विधानसभा सचिव बिहार-ख्याति सिंह एवं जिला एंड एडिशनल सेशन जज मुजफ्फरपुर बिहार-प्रवीण कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि शैलेन्द्र सिंह भाजपा नेता व क्षेत्रीय मीडिया संयोजक भाजपा स्वाति सिंह अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह व गुंजन वर्मा, हेमू चौरसिया, रनवीर सिंह और विनय दुबे ने दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक संध्या में "मेरे संघर्ष की है यही कहानी बन कर अपराजिता कभी हार न मानी" अपराजिता जज्बा जीत का नेशनल वेलफेयर ट्रस्ट की संस्थापिका डा.अनुपमा श्रीवास्तव और संस्था की अध्यक्ष प्रो.सीमा सरकार की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आरंभ हुआ। संस्था का उद्देश्य है महिलाओं की भूली और गृहस्थी के बोझ तले दबी हुई प्रतिभाओं को पुनः उभारना। प्रथम पूज्य गणेश वंदना.. अंजली, निधि, आभा,नीति,रश्मि सिंह,अंजू,श्वेता,ऋचा, अंजली पांडे और रीमा प्रस्तुत कर सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया। डा. रश्मि सिन्हा और पूजा श्रीवास्तव ने काव्य पाठ कर उपस्थित दर्शकों का मन मोहा। शिवतांडव नृत्य प्रस्तुति डा.शताब्दी मुखर्जी द्वारा दी गई वहीं कथक कर ईशा रतन और मिशा रतन ने दशकों को मंत्रमुग्ध किया.देवागनीता बोस ने नृत्य किया और शुभांगी सोनी ने भी बिहू नृत्य की प्रस्तुति दी। जाह्नवी गुप्ता और शिवांगी श्रीवास्तव ने शानदार घूमर नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अगले सोपान में रेशम का रुमाल गले मे डाल के..... काव्या तिवारी एवं मैया यशोदा तेरा कन्हैया....कनक तिवारी नृत्य कर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अगले क्रम में गेट सेट जिम के बच्चों द्वारा योग किया गया जिसका संयोजक संगीता ने किया। हर्षिता, यशस्वी, लावन्या, आद्रिक, अहाना, आर्या एवं सुमन ने योगा का प्रदर्शन किया.द म्यूजिकल वाइब बैंड निर्देशन धीरेंद्र कुमार के द्वारा प्रस्तुति दी गई। गिटार पर सुनील कुमार, की बोर्ड पर गौरव कुमार, सिंगर विशाल ,ऑक्टोपैड पर अभिषेक कुमार रहे। इस दौरान मंच पर आयोजक समिति के मनोज सिंह चौहान, मोनालिसा, भारती सिंह, सरूपा तिवारी, अनन्या वर्मा और शिवम वर्मा उपस्थित रहे । मनीष पंडित और प्रदीप शुक्ला ने मंच का संचालन किया गया।

मध्यांचल विद्युत निगम ने बिजली बिल बकायदारो को दी बड़ी राहत

लोकतंत्र की शान संवाददाता

लखनऊ। बिजली का प्रयोग करने वाले उपभोक्ता बिल देने में आनाकानी कर रहे हैं। स्थिति यह हो गई है कि बकाएदारों का ग्राफ मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में 66 लाख से अधिक पहुंच गया है। मध्यांचल के 19 जिलों में करीब 95 लाख उपभोक्ता हैं, इनमें 70 फीसद उपभोक्ता समय पर बिल जमा नहीं करते, इसलिए यह संख्या बकाएदारों में है लखनऊ में 10 लाख उपभोक्ता हैं, इनमें साढ़े तीन लाख से अधिक बकाएदार हैं। ग्रामीण क्षेत्र के 1.56 लाख उपभोक्ताओं पर 137 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं, सभी जिलों का राजस्व अगर आ जाए तो यह आंकड़ा 9,235 करोड़ रुपये का है। इससे बिजली विभाग का इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर किया जा सकता है और आगामी गर्मी को लेकर उपभोक्ता जो बिजली संकट का सामना करते हैं, उससे काफी हद तक निजात मिल सकती है लेकिन राजस्व की कमी बिजली व्यवस्था को बेहतर नहीं कर पा रही है उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड 15 दिसंबर से एक मुश्त समाधान योजना शुरू कर रहा है। योजना के अंतर्गत मध्यांचल के 19 जिलों में एलएमवी वन (घरेलू उपभोक्ता) 63,92,184 बकाएदार, एलएमवी से वाणिज्यक उपभोक्ता 2,49,884 बकाएदार, एलएमवी 4बी निजी संस्था 3,316 और एलएमवी 6 छोटे उद्योग 8,070 उपभोक्ता बकाएदार हैं अगर यह ओटीएस का लाभ लेते हैं तो बिजली विभाग के पास सिर्फ मध्यांचल से तीन हजार करोड़ रुपये ही आएगा, क्योंकि योजना के अंतर्गत लेट पेमेंट सरचार्ज के रूप में छह हजार करोड़ की छूट देनी होगी। विभाग ने सभी अवर अभियंताओं से लेकर मुख्य अभियंता को अपना बकाया का एक एक पैसा वसूलने के लिए अभी से तैयारी करने के लिए निर्देश दिए हैं, क्योंकि ओटीएस चार चरणों में शुरू की जा रही है और हर चरण में छूट का लाभ अलग अलग है। इसमें प्रथम चरण 15 से 31 दिसंबर 2024, द्वितीय चरण एक से 15 जनवरी 2025 और तीसरा चरण 16 से 31 जनवरी 2025 तक होगा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक वाणिज्य योगेश कुमार ने बताया कि ओटीएस योजना का प्रचार प्रसार हर बिजली उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में किया जा रहा है। अभी से इसकी तैयारी तेज हो गई है। अभियंताओं को जिम्मेदारी दी गई है कि वह उपभोक्ताओं से संपर्क करके बताए जिन पर बकाया है और उनका पंजीकरण कराकर ओटीएस का लाभ दिया जाएगा।

पुण्यतिथि पर नेत्र जांच कैंप का पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने दीप जलाकर किया शुभारंभ, 350 लोगों ने कराई जांच

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को तहसील क्षेत्र के गांव सोहत में एक निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ हसनपुर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने दीप जलाकर किया, बताते चलें कि कस्बा उझारी के प्रसिद्ध स्वर्गीय सेठ होरी लाल कंसल जी की 16 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके परिजनों द्वारा एक नेत्र जांच कैंप का आयोजन गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी किया गया, गांव सोहत स्थित पेट्रोल पंप पर वरदान नेत्र चिकित्सा संस्थान गाजियाबाद के सहयोग से इस कैंप का आयोजन किया गया, इस नेत्र जांच कैंप में ग्राम बुरावली, तरारा सोहत, ढवारसी, दरियापुर, ढक्का, सैद नगली, फतेहपुर, फरोटा, पतेई, निरावली आदि लगभग 25 गांव के 350 व्यक्तियों ने आंखों की जांच निशुल्क कराई, वरदान नेत्र चिकित्सा संस्थान के कुशल चिकित्सकों द्वारा 120 लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाए जाने पर उनको वरदान संस्थान गाजियाबाद भेजा गया, इस मौके पर वरदान नेत्र चिकित्सा संस्थान गाजियाबाद के डॉक्टर एस के शर्मा, के उपाध्यक्ष, डॉ सुनील सिंघल, अमित कुमार, दीपांशु त्यागी, विजय जी, चिरंजीलाल कॉलेज ऑफ एजूकेशन डगरोली के निदेशक पुनीत अग्रवाल, एच एच एस पब्लिक स्कूल हसनपुर के प्रबंधक राजीव अग्रवाल, मनी प्रकाश, अनिल कंसल, संजीव कंसल, संजय अग्रवाल, राजीव कंसल, हेमराज सैनी, सचिन कंसल आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विपरीत परिस्थितियों को अपने अनुकूल लाने का सामर्थ्य रखता है युवा: सीएम योगी

कानपुर, 8 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह, उनके चार साहिबजादों, रानी लक्ष्मीबाई, वीर सावरकर, पं. राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, लुईस ब्रेल, आइंस्टीन, न्यूटन के कृतित्व-व्यक्तित्व व कार्यों का उदाहरण देते हुए युवाओं को प्रेरित किया कि आपकी आयु हर चुनौती से जूझने का जज्बा रखती है। युवा हर विपरीत परिस्थिति को अपने अनुकूल लाने का सामर्थ्य रखता है। जिन्होंने देश की धारा को बदलने का कार्य किया, वे सब युवा थे। युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं, बस करने का जज्बा होना चाहिए। युवा पलायनवादी नहीं हो सकता। उसे देश-काल, समाज की वर्तमान स्थितियों की जानकारी भी होनी चाहिए। युवाओं को नवाचार, नए शोध व आसपास घटित होने वाली घटनाओं का अवलोकन करने की कार्यशैली को विकसित करना होगा। ऐसी घटनाएं सीखने व जानने का अवसर देती हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को रामा विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सीएम ने डॉ. बीएस कुशवाहा आयुर्विज्ञान संस्थान का शुभारंभ भी किया। सीएम ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को बधाई दी और कई विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम ने शिक्षा, स्वास्थ्य, ड्रेनेज, नवाचार, शोध आदि को लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन को कई सुझाव भी दिए। सीएम ने पौधरोपण भी किया।

जिनके मन में गुरुजन, माता-पिता व वरिष्ठों के प्रति श्रद्धाभाव नहीं, उसे ज्ञान प्राप्त हो भी नहीं सकता

सीएम योगी ने कहा कि श्रद्धावान ही ज्ञान प्राप्त करने का अधिकारी है। जिसके मन में गुरुजन, माता-पिता व वरिष्ठों के प्रति श्रद्धाभाव नहीं है, उसे ज्ञान प्राप्त हो भी नहीं सकता। देशकाल व पात्रता का ध्यान रखा जाना चाहिए। तभी उसके अनुरूप ज्ञान से परिपूर्ण करना चाहिए। सीएम योगी ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में अनेक अवसर आते हैं, जो व्यक्ति को महान बनने का मौका प्रदान करते हैं, लेकिन यह विवेक पर निर्भर करता है कि उसके अनुरूप खुद को ढालने का सामर्थ्य रख पा रहे हैं या नहीं।

एक संस्थान विकास का माध्यम कैसे बन सकता है, यह रामा कॉलेज ने साबित किया

सीएम योगी ने कहाकि कानपुर जनपद के अर्धविकसित क्षेत्र में चार दशक पहले जो बीज रोपा गया था, वह आज वटवृक्ष बनकर विश्वविद्यालय के रूप में शिक्षा-स्वास्थ्य, तकनीकी ज्ञान, नवाचार, शोध, निवेश व रोजगार का बेहतरीन केंद्र बनकर उभरा है। एक संस्थान विकास का माध्यम कैसे बन सकता है, यह रामा कॉलेज ने साबित किया है।

महाकुम्भ में होगी आंखों की जांच, घर के पास पसंद के अस्पताल में करा सकेंगे ऑपरेशन

महाकुम्भनगर, 8 दिसंबर। तीर्थराज प्रयागराज में संगम के पावन तट पर 13 जनवरी 2025 से शुरू हो रहे दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ में करोड़ों लोग आस्था की डुबकी लगाने के लिए जुटने वाले हैं। योगी सरकार की ओर से इन श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में महाकुम्भ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के नेत्रों (आंखों) के स्वास्थ्य को लेकर भी यहां नेत्र कुम्भ की स्थापना की जा रही है। 9 एकड़ में बन रहे इस नेत्र कुम्भ में पहली बार एक साथ 5 लाख से ज्यादा लोगों की आंखों की जांच और 3 लाख चश्मों के वितरण का दावा किया जा रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि यहां जांच कराने वाले ऐसे नेत्र रोगियों को जिन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता है, उन्हें उनके घर के पास स्थित नेत्र चिकित्सालय में निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए नेत्र कुम्भ की ओर से देश भर के 150 से ज्यादा अस्पतालों के साथ करार किया गया है। यानी रोगी अपनी आंखों की जांच महाकुम्भ में आकर कराएंगे और ऑपरेशन अपने घर जाकर।

150 अस्पतालों के साथ किया करार

नेत्र कुम्भ की आयोजन कमेटी के अध्यक्ष कवींद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस महाकुम्भ में पहली बार ये व्यवस्था की जा रही है कि डॉक्टर्स जिस मरीज को भी ऑपरेशन के लिए रेफर करेंगे, वह अपने जिले या घर के करीब स्थित अस्पताल में जब चाहे ऑपरेशन करा सकता है। ऐसे मरीजों को डॉक्टर निरीक्षण के बाद एक एक रेफरल कार्ड देंगे, जिसकी एक कॉपी संबंधित अस्पताल को जाएगी और दूसरी कॉपी नेत्र कुम्भ की आयोजक संस्था 'सक्षम' के कार्यकर्ता को जाएगी। इसके बाद सक्षम कार्यकर्ता या मरीज कोऑर्डिनेट करके अपने रहने के स्थान पर सुविधानुसार निशुल्क ऑपरेशन सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि मरीजों के ऑपरेशन के लिए देश भर के 150 छोटे-बड़े अस्पतालों को इम्पैनल किया गया है। संबंधित मरीज मेले के दौरान या मेले के बाद भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। अनुमान है कि नेत्र कुम्भ से 50 हजार लोगों को ऑपरेशन कार्ड प्रदान किए जा सकते हैं।

5 लाख लोगों की आंखों की जांच का बनेगा रिकॉर्ड

उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इसमें देश भर से करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं। उनकी सुविधा को देखते हुए इस नेत्र चिकित्सा महायज्ञ का नेत्र कुम्भ के रूप में आयोजन किया जा रहा है। इस नेत्र कुम्भ में भारतीय सेना के डॉक्टर भी अपनी सेवाएं निःशुल्क देंगे। यहां आने वाले मरीजों को निशुल्क निरीक्षण के साथ ही निशुल्क दवाएं और निशुल्क जलपान की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि नेत्र कुम्भ का आयोजन पहली बार 2019 में किया गया था। तब से लेकर अब इसके स्केल में दोगुना से अधिक वृद्धि हो चुकी है। 2019 कुम्भ के दौरान 1.5 लाख लोगों को चश्मा और 3 लाख लोगों की जांच के साथ हमने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान बनाया था। इस बार यह नेत्र कुम्भ पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ने जा रहा है। संख्या की दृष्टि से यह भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी किसी आयोजन में नेत्र रोगियों की जांच और चश्मा वितरण का सबसे बड़ा रिकॉर्ड होगा। इस आयोजन में हमारी सहयोगी संस्थाओं के साथ ही मेला प्रशासन की ओर से भी योगदान दिया जा रहा है।

प्रतिदिन 40 डॉक्टर्स की टीम रहेगी मौजूद

नेत्र कुम्भ की मीडिया को-ऑर्डिनेटर डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने बताया कि इस नेत्र कुम्भ का आयोजन सेक्टर 6 में स्थित नागवासुकि मंदिर के सामने मेला क्षेत्र में होने जा रहा है। इसका उद्देश्य जागरूकता के अभाव में बड़ी संख्या में आंखों की रोशनी खोने वालों की मदद करना है। नेत्र कुम्भ 12 जनवरी से मेला क्षेत्र में शुरू होगा, जो 26 फरवरी तक प्रतिदिन (प्रमुख स्नान पर्व को छोड़कर) चलता रहेगा। इसमें नेत्र संबंधित समस्याओं से ग्रसित लोग आ सकते हैं और यहां पूरी व्यवस्था निशुल्क रहेगी। करीब 150 डॉक्टर्स बाहर से आकर यहां पर अपनी सेवाएं देंगे, जबकि करीब 400 डॉक्टर्स यहां 45 दिन तक उपस्थित होंगे। इनमें प्रति दिन 40 डॉक्टर्स ओपीडी का हिस्सा बनेंगे। वहीं 500 से ज्यादा ऑप्टोमेट्रिस्ट रहेंगे, जिनमें 100 प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर प्रतिदिन 200 डॉक्टर्स, ऑप्टोमेट्रिस्ट और अन्य वालंटियर्स नेत्र रोगियों की सेवा में मौजूद रहेंगे। नेत्र ओपीडी सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगी, जिसे बढ़ाकर शाम 4 बजे तक किया जा सकता है।

माननीय रेलमंत्रीअश्विनी वैष्णव का प्रयागराज आगमन

प्रयागराज -25 महा कुम्भ को लेकर उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशनों का निरीक्षण करके व्यवस्थाओं तथा कार्यों का जायजा लिया

विनोद कुमार सिंह , स्वतंत्र पत्रकार

प्रयागराज। भारतीय रेल जिसकी चर्चा इन दिनों महान आस्थाओं के अध्यात्म के दिव्य एवं भव्य महाकुम्भ के भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियाँ युद्ध स्तर पर चल रही है। सर्व विदित रहे कि आगामी वर्ष मंकर संक्रान्ति 13 जनवरी को अवसर आयोजित होने वाले तीन नदियों के संगमस्थली त्रिवेणी अथार्त प्रयाग राज में आयोजन हो जा रहा है। जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के संत महात्माओं के श्रद्धालुओं का पहुंचने वाले है।कार्यक्रम स्थल पर यातायात की दृष्टि भारतीय की भूमिका अंहम होगी । इस महा आयोजन में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए आज दिनांक 08 दिसंबर 2024 को रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,अश्विनी वैष्णव का वाराणसी जं.(कैंट) से प्रस्थान करके रेलमार्ग द्वारा प्रयाग राज आगमन हुआ।रेलमंत्री ने अध्यक्ष रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के साथ प्रयाग परिक्षेत्र में उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल की परिधि में आने वाले फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशनों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री सेवा एवं यात्री हितों की दिशा में किए जा रहे सभी रेल कार्यों तथा निमार्णाधीन परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा इस विषय में संबंधितों को महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए आवश्यक निर्देश दियें।उन्होंने मेला अवधि में इन स्टेशनों पर यात्री सुविधा संबंधी, आपातकालीन, चिकित्सा तथा आकस्मिक सेवा संबंधी, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण संबंधी, यात्री सुरक्षा एवं संरक्षित तथा समयानुसार गाड़ी परिचालन संबंधी सभी व्यवस्थाओं का गहनतापूर्वक अवलोकन किया।उन्होंने मेला के दौरान रेलवे द्वारा निर्धारित की जाने वाली अन्य विशेष तथा वैकल्पिक व्यवस्थाओं से भी भलीभांति अवगत हुए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से यात्री एवं भीड़ प्रबंधन की नीतियों एवं मेला के सुगम और सुचारु रूप से संचालन करने की दिशा में किए जाने वाले अन्य प्रयासों के विषय में भी क्रमबद्ध रूप से जानकारी प्राप्त की। रेलमंत्री ने फाफामऊ जं से प्रयाग जं तथा प्रयाग जं से प्रयागराज जं. तक विंडो ट्रेलिंग करते हुए रेलपथ की संरक्षा की जानकारी भी प्राप्त की तथा इस अवसर पर इन दोनों स्टेशनों पर उपस्थित जन प्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों से भेंट की। उन्होंने इस मेला के सफल संचालन में भारतीय रेल के महत्व का उल्लेख किया एवं प्रत्येक रेलकर्मी का आवाहन करते हुए सभी से इस विराट आयोजन में अपना योगदान और सहयोग प्रदान करते हुए संकल्पित और निःस्वार्थ भाव से अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करके इस महाआयोजन को सफल बनाने की अपील किया।

हरियाणा

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की

चंडीगढ़, दिसंबर : हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों के उन पुरुषों और महिलाओं के अदम्य साहस और बलिदान को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने हमारे प्यारे राष्ट्र की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। दत्तात्रेय ने हमारे वीर सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए कहा कि सैनिकों ने हमेशा ही देश के लिए अद्वितीय बहादुरी और समर्पण का प्रदर्शन किया है। राज्यपाल ने उन शहीदों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया, जिन्होंने यह सुनिश्चित करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया कि हमारा तिरंगा हमेशा ऊंचा रहे। राज्यपाल ने हरियाणा और देश के लोगों से युद्ध में विकलांग सैनिकों, वीर नारियों और हमारे शहीदों के परिवारों के कल्याण में सहयोग करने के लिए एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा आइए हम सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देकर उन लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया है। दत्तात्रेय ने कहा कि आपका योगदान उन लोगों के जीवन में एक ठोस बदलाव लाएगा, जिन्होंने देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए सबसे बड़ा बोझ उठाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह दिन न केवल हमारी कृतज्ञता की याद दिलाता है, बल्कि सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता में खड़े होने की प्रतिज्ञा भी है, जो बलिदान और देशभक्ति की भावना का प्रतीक हैं। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने प्रत्येक नागरिक से सम्मान के प्रतीक के रूप में गर्व के साथ सशस्त्र सेना ध्वज पहनने और इस उद्देश्य के लिए सार्थक योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइए हम अपने बहादुरों का सम्मान केवल शब्दों में ही नहीं, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से भी करें। हम सब मिलकर सुनिश्चित करें कि उनके बलिदान को कभी भुलाया न जाए।

उपराष्ट्रपति आज कुरुक्षेत्र में आएंगे

कुरुक्षेत्र, दिसंबर : जिलाधीश एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 8 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में वीवीआईपी के आगमन पर सुरक्षा की दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल व आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन/ग्लाईडर इत्यादि हवाई यंत्रों पर प्रतिबंध किया जाना जरुरी है। जिलाधीश नेहा सिंह ने जारी आदेशों में कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सुरक्षा की दृष्टि से कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए 8 दिसंबर को वीआईपी मार्ग, एनआईटी कुरुक्षेत्र, श्री भद्रकाली शक्तिपीठ व उसके आसपास 100 मीटर के दायरा तक सडक के दोनों तरफ कोई भी वाहन खड़ा ना हो, वीआईपी मार्ग के 100 मीटर की परिधी के क्षेत्र में 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, लाठी-डंडे, तलवार, गंडासी, आग्नेय शस्त्र व अन्य किसी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने, खुला पेट्रोल, डीजल की बोतल, कैन पर पूर्णत प्रतिबंध, हैलीपेड स्थल, वीआईपी मार्ग के कार्यक्रम स्थल तथा आसपास ड्रोन/ग्लाईडर उड़ाने, कार्यक्रम स्थल के 500 मीटर के दायरे और मार्गों के दोनों तरफ किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

हरियाणवी पैवेलियन बना हरियाणवी व्यंजन का मुख्य केन्द्र

पर्यटक चख रहे देसी घी का चूरमा, गुड़ का हलवा, खीर, जलेबी का स्वाद

महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

कुरुक्षेत्र, दिसंबर : हरियाणा प्रदेश खान-पान के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यह वही प्रदेश है जिसके विषय में कहा जाता है देशों में देश हरियाणा, जित दूध दही का खाणा। हरियाणा की खान-पान की व्यवस्था लोक पारंपरिक तरीके से ऋतु के अनुसार होती है। हरियाणा के लोग जहां गर्मियों में ठंडा खाना खाते हैं वहीं पर सर्दियों में गर्म खाना खाते हैं। इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए हरियाणा पैवेलियन में आने वाले पर्यटक हरियाणवी रसोई के माध्यम से देसी घी का चूरमा, गुड़ का हलवा, खीर, जलेबी, मीठी लस्सी, नमकीन लस्सी, देसी घी की टिक्की, दही बल्ले, देसी घी के ड्राई फ्रुट लड्डू, देसी घी के गुलाब जामून, तिल्ला कुल्फी, राजमा चावल, गोल गप्पे आदि का स्वाद चख रहे हैं। पर्यटकों को हरियाणवी खान-पान एवं स्वादिष्ट व्यंजन खूब भा रहे हैं। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर पुरुषोत्तमपुरा बाग में लगे हरियाणा पैवेलियन में शुक्रवार को हरियाणवी लोकगीत एवं नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर लोक गायक डॉ. हरविन्द्र राणा द्वारा दी गई बम लहरी की सांस्कृतिक प्रस्तुति पर दर्शक झूमने लगे। इसके साथ उन्होंने गीता जयंती के मेले में धूम मची हरियाणे की गीत से समां बांध दिया। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती समारोह में कंट्री पार्टनर तंजानिया के लोक कलाकारों ने अपने देश के समृद्ध विरासत को समर्पित लोकनृत्य पर दमदार सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी।

हरियाणा पैवेलियन में शिल्पकारों को मिल रही विशेष पहचान

हरियाणा पैवेलियन में शिल्पकारों को विशेष पहचान मिल रही है। शिल्पकार मनजीत सिंह ने बताया कि हरियाणा पैवेलियन में आने वाले पर्यटकों उनके द्वारा बनाए गए मिट्टी की घरेलू एवं विशेष त्योहार पर उपयोग में आने वाली वस्तुओं की सराहना कर रहे हैं। गौरतलब है कि सोनीपत के रहने वाले शिल्पकार मनजीत सिंह कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में उर्दू विषय (अंशकालिक) में बतौर सहायक प्रोफेसर कार्यरत है। उन्होंने बताया जीवन में कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि आपके पास कौशल है तो आप कौशल को व्यवसाय के रूप में भी उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पूर्वज भी मिट्टी के बर्तन तैयार करते थे तथा इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए वे भी शिक्षण के साथ-साथ समय निकालकर मिट्टी के बर्तन भी बनाते है तथा इस कौशल को सीखने के लिए लोगों को प्रशिक्षण भी देते हैं।

ब्राह्मण समाज ने हमेशा दशा और दिशा देने का काम किया : कार्तिकेय शर्मा

चंडीगढ़, दिसंबर : नूतन ब्राह्मण सभा एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा चरखी दादरी के रामलीला ग्राउंड में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के लिए चरखी दादरी पहुंचे सांसद कार्तिकेय शर्मा का पहले चरखी दादरी में एक बड़े रोड शो के माध्यम से स्वागत किया गया, जिसमें चरखी दादरी में जगह-जगह पुष्प वर्षा और ढोल नगाड़ों के साथ सांसद कार्तिकेय शर्मा का स्वागत किया गय। वहीं रोड शो के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे सांसद कार्तिकेय शर्मा ने भगवान परशुराम सभागार का शिलान्यास किया वही इस दौरान बाढ़डा के विधायक उमेद पातुवास एवं भाजपा नेता संदीप जोशी भी मौजूद रहे। सांसद कार्तिकेय शर्मा के सम्मान में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में भारी जन सैलाब उमड़ा जिन्होंने ब्राह्मण समाज एवं विभिन्न समाजों की मांगों को सरकार के सामने उठाने एवं उन मांगों को पूरा करवाने पर सांसद कार्तिकेय शर्मा का पगड़ी पहनाकर एवं फूल मालाओं से धन्यवाद किया। इस दौरान सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम एक समाज के आराध्य नहीं है बल्कि वह सभी के भगवान है हमें अपने जीवन में भगवान परशुराम की शिक्षा, उनकी सोच, उनकी नीति का अनुसरण करना चाहिए और भगवान परशुराम की शिक्षा और संदेश को बढ़ाने का काम करना चाहिए। वहीं सांसद कार्तिकेय शर्मा ने विधानसभा चुनाव में अच्छे उम्मीदवारों को जितने एवं लोकतंत्र के महापर्व चुनाव में अधिक मतदान करने पर लोगों का धन्यवाद किया।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने विधायक उमेद पातुवास और सुनील सांगवान की सराहना करते हुए कहा कि इन विधानसभा चुनाव में ऐसे उम्मीदवार जीत करके आए हैं जो लोग दृढ़ निश्चय, अच्छी नियत और सच्चे मन से लोगों के लिए सेवा भावना से काम करने आए हैं, आज केंद्र और प्रदेश में जो सरकार है वह सब का साथ सब का विकास के तहत सभी को साथ लेकर चलने का काम करती है, सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज का काम सदैव सभी समाजों को साथ लेकर चलने का रहा है चाहे 1947 की आजादी की लड़ाई की बात करें यह 1857 की क्रांति की बात ब्राह्मण समाज ने उसमें बड़ा योगदान दिया था प्राचीन काल से ही चाहे वेद पुराण की बात करे, संस्कृति की बात करें, शिक्षा की बात करें या विज्ञान की बात करें ब्राह्मण समाज ने हमेशा दशा और दिशा देने का काम किया है और आज इसकी ज्यादा जरूरत है आज हमारा दायित्व बनता है कि आने वाले समय में इस ज्ञान को बढ़ाने का काम करें अगली पीढ़ी तक हमारे संस्कार और संस्कृति पहुंचाने का काम करें।

महोत्सव में ब्रह्मसरोवर का हर घाट, आरती स्थल, पुरुषोत्तमा बाग सहित पूरा परिसर बना पर्यटकों के लिए सैल्फी प्वाइंट

- महोत्सव में पहुंचे कलाकारों के साथ फोटो खिंचवाने के लिए क्रेजी हुए बच्चे और युवा

चंडीगढ़, दिसंबर : सोशल साइटस और इंटरनैट प्रौद्योगिकी के युग में सैल्फी के लिए हमेशा क्रेजी रहने वाले बच्चों और युवाओं सहित हर उम्र के लोगों लिए अच्छी खबर है। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर ब्रह्मसरोवर के चारों ओर सैल्फी पॉइंट बने हुए है और महोत्सव में आने वाले पर्यटक सैल्फी लेने के अपने शौक को पूरा कर रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में ब्रह्मसरोवर परिसर में पुरुषोत्तमपुरा बाग स्थित भगवान श्री कृष्ण अर्जुन रथ सबसे बड़ा सैल्फी पॉइंट है, जहां हर समय दर्जनों पर्यटक सैल्फी ले रहे होते है। भगवान श्री कृष्ण के इस रथ के साथ चार घोड़े जुड़े है और श्री कृष्ण रथ पर मौजूद अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए दिखाए गए हैं। इस पूरे स्थल को महाभारत ग्रंथ के दृश्यों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। इसी पौराणिक दृश्य और पवित्र ग्रंथ गीता से जुड़े होने के कारण पर्यटक सबसे ज्यादा सैल्फी इसी जगह लेते है और अपनी सैल्फी को सोशल साइटस पर अपलोड कर पोस्ट करते है। सुंदर दृश्य देखकर फॉलोवर भी लाइक व कमैंट्स किये बिना नहीं रह पाते। यही नहीं ब्रह्मसरोवर चारों ओर बने विभिन्न घाट भी सैल्फी पॉइंट है, जहां से दिन में पर्यटक पक्षियों की उड़ानों के साथ व संध्या काल मे जगमग रोशनी में नहाए ब्रह्मसरोवर पर सैल्फी ले रहे है। सैल्फी लेने के शौकीनों का ध्यान रखने में बहरुपिए भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे। बहरुपिए विभिन्न पात्रों के वेश में ब्रह्मसरोवर पर अपनी लोगों का मनोरंजन कर रहे है और पर्यटकों के सैल्फी के क्रेज को पूरा कर रहे है।

गीता जयंती महोत्सव में पर्यटकों की पहली पसंद बन रहे खादी वस्त्र

- युवा खादी ग्रामोद्योग से जुडकर स्थापित कर सकते हैं स्वरोजगार, खादी के उत्पादों की पर्यटक जमकर कर रहे है खरीददारी

चंडीगढ़, दिसंबर : अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में देश के दूसरे राज्यों से गीता जयंती महोत्सव में जहां एक ओर शिल्पकार अपनी हस्तकला का प्रदर्शन कर रहे है, वहीं ब्रह्मसरोवर के उत्तर दिशा के पावन घाट पर खादी ग्रामोद्योग बने वस्त्रों की झलक देखने को मिल रही है। इन स्टॉलों पर खादी से बने वस्त्रों की पर्यटक जमकर खरीदारी कर रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में लगे खादी स्टॉल्स पर उपस्थित सतपाल सैनी ने बताया कि यह स्टॉल्स खादी ग्रामोदय संघ मिजार्पुर की ओर से लगाए गए हैं। इन स्टॉल पर रखे वस्त्र खादी कपड़े से ही बनाए जाते हैं और इन वस्त्रों को स्वयं तैयार किया जाता हैं। उन्होंने बताया कि स्टॉल्स पर खादी से बने वस्त्र पर्यटकों को खूब पसंद आ रहे हैं और इनकी जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार खादी उद्योग को बढ़ावा देने एवं युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध करवाने के भरसक प्रयास कर रही है। युवा खादी से जुडकर स्वरोजगार अपना सकते हैं, युवाओं को प्रशिक्षण दिलवाकर स्वरोजगार चलाने के लिए सरकार की ओर से आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाई जाती है। सरकार का उद्देश्य खादी ग्राम उद्योग से महिलाओं और युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करना है।

हरियाणा के आरोही मॉडल स्कूलों के कर्मचारियों को 3 माह से नहीं मिला वेतन

कर्मचारियों ने सरकार से की वेतन और नियमितीकरण की मांग

चंडीगढ़, दिसंबर : हारेयाणा के आरोही मॉडल स्कूलों के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी वर्तमान में गंभीर आर्थिक और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। तीन महीनों से लंबित वेतन और वर्षो से अधूरी नियमितीकरण प्रक्रिया के कारण कर्मचारियों के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार से इस विषय में सहयोग और हस्तक्षेप की अपील की है ताकि उनके परिवार और शिक्षा व्यवस्था दोनों का संतुलन बनाए रखा जा सके।

आरोही मॉडल स्कूलों की स्थापना 2011 में हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। इन स्कूलों के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक अवसर प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार की यह पहल सराहनीय है और शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श मानी जाती है। आरोही मॉडल स्कूलों में कार्यरत 285 कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। इसके अतिरिक्त नियमितीकरण की प्रक्रिया भी कई वर्षो से अधूरी है। वेतन न मिलने से कई कर्मचारी दूरदराज के इलाकों में रहते हैं और अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने में मुश्किल का सामना कर रहे हैं।

नियमितीकरण में हो रही देरी

2012 में नियुक्त कर्मचारियों को वादा किया गया था कि पांच वर्षो की संतोषजनक सेवा के बाद उन्हें नियमित किया जाएगा, लेकिन अब तक इस पर अमल नहीं हो सका है। कर्मचारियों की मांग है कि लंबित वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए। नियमितीकरण प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए। भविष्य में समय पर वेतन सुनिश्चित करने के लिए एक स्थायी प्रणाली लागू की जाए। कर्मचारियों को हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता और कर्मचारियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पर पूरा विश्वास है। आरोही मॉडल स्कूल स्टॉफ एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि हम हरियाणा सरकार की शिक्षा क्षेत्र में की गई पहलों की सराहना करते हैं। हमें विश्वास है कि सरकार हमारी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनेगी और हमारे लिए उचित समाधान करेगी। आरोही मॉडल स्कूलों के कर्मचारी हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग से विनम्र अपील करते हैं कि वे उनकी समस्याओं को प्राथमिकता दें और जल्द से जल्द समाधान करें। तीन महीनों से लंबित वेतन का भुगतान जल्द किया जाए।

खेल समझाते हैं मानव शक्ति और बुद्धि का अर्थ, तभी तो प्रतिभागी बड़े लक्ष्य को पाने में हो जाते हैं समर्थ : कृषि मंत्री

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र।

यमुनानगर, दिसंबर : सरस्वती शिक्षण संस्थान में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा, यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा,पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में पदम श्री व अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष कुश्ती के खिलाडी योगेश्वर दत्त, स्वर्ण पदक विजेता पैरालम्पिक भाला खिलाड़ी सुमित अंतील, रजत पदक और अर्जुन अवार्ड व भीम अवार्ड विजेता निशानेबाज खिलाड़ी अंकुर मित्तल, कांस्य पदक विजेता, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हॉकी खिलाड़ी सुश्री रितु रानी, विद्यालय के पूर्व छात्र आशीष कुमार पठानिया जिनका चयन हरियाणा सिविल सेवा के लिए हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल में बनाए गए शूटिंग अकादमी का उदघाटन किया। मुख्यातिथि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि खेलने से शरीर मजबूत होता है, हड्डियां मजबूत होती हैं, मांसपेशियां विकसित होती हैं। खेलने से शरीर में रक्त का प्रवाह सही रहता है, जिससे रक्त से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सकता हैं। उन्होंने कहा कि खेलने से अनुशासन और समय प्रबंधन की आदत पड़ती है, खेलने से शैक्षणिक प्रतिबद्धताओं को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के साथ संतुलित करना सीखने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि खेल समझते हैं मानव शक्ति और बुद्धि का अर्थ, तभी तो प्रतिभागी बड़े लक्ष्य को पाने में हो जाते हैं समर्थ। सर्वप्रथम एनसीसी कैडेट्स मुख्यातिथि के साथ अनुरक्षण के रूप में उपस्थित हुए व स्काउट एंड गाइड द्वारा शूटिंग रेंज के मार्ग का मार्गदर्शन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा किया गया और सभी अतिथियों का स्वागत गीत गाकर किया गया एवं अतिथियों का परिचय दिया गया। कैप्स व बैच द्वारा उनका सम्मान किया गया। इसके बाद झंडा फहराने की रस्म की गई, सरस्वती विद्या मंदिर और सरस्वती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया। इसके बाद खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हवा में गुब्बारे छोड़कर किया गया। विद्यार्थियों के द्वारा शपथ ग्रहण करवाई गई राष्ट्रीय स्तर पर विजयी छात्राओं द्वारा मशाल जलवाई गई। विभिन्न दौड़ प्रतियोगिता जैसे रिले दौड़, 100 मीटर दौड़, स्किपिंग दौड़ आदि का आयोजन किया गया। सभी राष्ट्रीय प्रतिभागी खिलडियो और विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। आए हुए अतिथिगणो को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, भाजपा जगाधरी मण्डल के अध्यक्ष विपुल गर्ग, डिप्टी डी. ई.ओ. शिव कुमार धीमान, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, जिला खेल अधिकारी शिल्पा गुप्ता, खण्ड शिक्षा अधिकारी केएस संधावा और प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मुकेश गर्ग व अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

संविधान के सम्मान में डॉ. अंबेडकर फार्मेसी कॉलेज में होगा प्रथम वर्ष नि:शुल्क दाखिला

कुरुक्षेत्र, दिसंबर : संविधान के सम्मान में 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारत सरकार द्वारा आयोजित संविधान स्वाभिमान वर्ष मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान में अपनी भागीदारी करते हुए नजदीकी गांव मथाना में स्थित डॉ आंबेडकर फामेर्सी कॉलेज अपनी प्रथम वर्ष की 50 प्रतिशत सीटों पर निशुल्क दाखिला करेगा। गत सप्ताह से इसकी जानकारी मिलने से डी फामेर्सी करने वाले छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह है यह जानकारी देते हुए डॉ. अंबेडकर फामेर्सी कॉलेज के चेयरमैन एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के पूर्व सदस्य सूरजभान कटारिया ने बताया कि प्रबंधन कमेटी द्वारा यह निर्णय लिया गया है जिसमें 12 वीं कक्षा साइंस श्रेणी से पास डी. फार्मा की सीटों पर होगा अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्गों तथा अन्य गरीब वर्गों छात्र एवं छात्राओं को निशुल्क प्रथम वर्ष का दाखिला 50 प्रतिशत सीटो पर पहले आओ - पहले पाओ की स्थिति में दिया जाएगा। संस्थान में आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2024 तय की गई है। उल्लेखनीय है की हरियाणा सरकार के नियम अनुसार फामेर्सी काउंसिल आफ इंडिया नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त संस्थानों में फामेर्सी के डी. फार्मा का कोर्स 2 वर्ष तथा बी. फार्मा का कोर्स 3 वर्ष का होता है।

अम्बाला सदर (कैंट) नगर परिषद की ताजा वार्डबंदी की फाइनल नोटिफिकेशन प्रकाशित

- सितम्बर, 2019 में न.प. के पुनर्गठन के बाद हुई तीसरी वार्डबंदी : हेमंत

चंडीगढ़, दिसंबर : गत 5 दिसम्बर 2024 को हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव, विकास गुप्ता, आई.ए.एस. के हस्ताक्षर से जारी एक गजट नोटिफिकेशन मार्फत प्रदेश के ऊर्जा, परिवहन और श्रम विभागों के कैबिनेट मंत्री मंत्री अनिल विज के गृहक्षेत्र की नगर निकाय अर्थात अम्बाला सदर (कैंट) नगर परिषद के सभी 32 वार्डों के परिसीमन, जिसे आम भाषा में वार्डबंदी कहा जाता है, की फाइनल अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। इसी बीच शहर निवासी हाई कोर्ट के एडवोकेट और म्युनिसिपल कानून के जानकार हेमंत कुमार (9416887788) ने बताया कि गत वर्ष 28 नवम्बर 2023 को अम्बाला सदर नगर परिषद के सभी 32 निर्धारित वार्डों की प्राथमिक नोटिफिकेशन प्रकाशित की गई थी जिसे फाइनल होने में एक वर्ष से ऊपर का समय लग गया है। उससे पूर्व सर्वप्रथम 31 दिसम्बर 2020 को और फिर 3 मार्च 2023 को अम्बाला सदर न.प. की तब निर्धारित 31-31 वार्डों की वार्डबंदी की फाइनल नोटिफिकेशन भी प्रकाशित हुई थी जो हालांकि किसी न किसी कारण से सिरे नहीं चढ़ पाई थी. इस प्रकार 11 सितम्बर, 2019 को तत्कालीन संयुक्त अम्बाला नगर निगम से बाहर निकालकर अम्बाला सदर न.प. के पुनर्गठन के बाद अब इसकी तीसरी बार वार्डबंदी फाइनल हुई है जो इस बार हालांकि 32 वार्डों की है। बहरहाल, ताजा प्रकाशित फाइनल नोटिफिकेशन हरियाणा नगरपालिका वार्ड परिसीमन नियमावली, 1977 के नियम 10 में प्रकाशित की गई है जिसके बाद अब आगामी कुछ दिनों या सप्ताह में निर्धारित प्रक्रिया द्वारा अम्बाला सदर नगर परिषद के कुल 32 वार्डों में से कौन कौन से वार्ड महिलाओं, अनुसूचित जाति (एस.सी.) वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग (ब्लाक ए और ब्लाक बी) के व्यक्तियों के लिए आरक्षित होंगे और कौन से अनारक्षित होंगे, उनका निर्धारण किया जाएगा। हेमंत ने आगे बताया कि अंबाला सदर नगर परिषद की ताजा फाइनल वार्डबंदी के बाद हरियाणा राज्य चुनाव आयोग द्वारा इसके आगामी आम चुनाव करवाने की प्रक्रिया का प्रारंभ अंबाला सदर नगर परिषद के सभी 32 वार्डों की मतदाता सूचियों के संशोधन से होगा जो आयोग के निर्देशन में 1 अक्टूबर 2024 या संभवतः 1 जनवरी 2025 की योग्यता तिथि के आधार पर संशोधित की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) द्वारा प्रदेश के सभी 22 जिलों में कुल रजिस्टर्ड मतदाताओं की प्रकाशित मतदाता सूचियों के अनुसार अम्बाला कैंट विधानसभा सीट में 12 सितम्बर 2024 को मतदाताओ की कुल संख्या 2 लाख 7 हजार 146 थी जिस आधार पर 2 माह पूर्व 5 अक्तूबर को अम्बाला कैंट वि.स. सीट पर आम चुनाव भी कराया गया था। हेमंत ने बताया कि हरियाणा म्युनिसिपल एक्ट, 1973, जो प्रदेश की सभी नगर पालिकाओं और नगर परिषदों पर लागू होता है, में वर्ष 2019 में किये गए कानूनी संशोधन द्वारा नगर परिषद/पालिका के अध्यक्ष/प्रधान पद का चुनाव स्थानीय मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष तौर पर करने का प्रावधान है. इसका अर्थ यह है कि अम्बाला कैंट नगर परिषद के अंतर्गत पंजीकृत हर मतदाता को दो वोट डालने होंगे। एक अपने सम्बंधित वार्ड प्रतिनिधि अर्थात न.प.सदस्य (जिसे आम भाषा में पार्षद कहते है हालांकि यह शब्द नगरपालिका कानून में नहीं है) के लिए और दूसरा न.प. के अध्यक्ष को चुनने के लिए. ऐसी संभावना है कि इस बार अम्बाला सदर नगर परिषद के अध्यक्ष का पद अनारक्षित होगा क्योंकि पुनर्गठन के बाद यह इस नगर निकाय का पहला आम चुनाव है।

संक्षिप्त समाचार

पं. जवाहरलाल नेहरू कॉलेज बांदा की एनसीसी यूनिट द्वारा मनाया गया सशस्त्र सेवा झंडा दिवस

बांदा। पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज बांदा की एनसीसी इकाई द्वारा 60 यूपी एनसीसी बटालियन के समादेशाधिकारी कर्नल बृजेश पठानिया के निर्देशानुसार 7 दिसंबर 2024 को सशस्त्र सेवा झंडा दिवस के अवसर पर सब यूनिट के द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज बांदा के प्राचार्य के एस कुशवाहा को गॉड ऑफ ऑनर दिया गया तत्पश्चात पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज बांदा की एनसीसी यूनिट द्वारा सशस्त्र सेवा झंडा दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉक्टर प्रत्युष मिश्रा द्वारा सशस्त्र सेवा झंडा दिवस के महत्व के विषय में प्रकाश डाला गया तथा यह बताया गया कि आखिरकार 7 दिसंबर को सशस्त्र सेवा झंडा दिवस क्यों मनाया जाता है इस अवसर पर एनसीसी प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के कैडेटों ने प्रतिभाग किया।

बाबा साहब अम्बेडकर की पुण्यतिथि मनायी

बांदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जो कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है वह लगातार महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि मनाने का काम करता रहता है इसी उपलक्ष में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बांदा जिले द्वारा तिंदवारी नगर ईकाई में 6 दिसम्बर को बाबा साहब अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर जिसे विद्यार्थी परिषद समरसता दिवस के रूप में हर वर्ष मनाने का काम करता है उसी क्रम में तिन्दवारी नगर के रामप्रताप दीक्षित डिग्री कॉलेज तथा तिन्दवारी नगर के ग्राम गोधनी में बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा में मल्यार्पण कर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बांदा तहसील संयोजक सुभाष त्रिपाठी जी उपस्थित रहे और प्रमुख रूप से बांदा जिले के जिला संयोजक गोविंद तिवारी , तिन्दवारी नगर मंत्री अथर्व गुप्ता , पूर्व तहसील सह संयोजक शिवम द्विवेदी जी उपस्थित रहे ।

घर में घुसकर हमला करने वाले को मिली सजा

चित्रकूट। न्यायालय ने घर में घुसकर हमला करने के आरोपी अभियुक्त को न्यायालय उठने तक की सजा व छह सौ रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।अभियोजन अधिकारी बृजमोहन ने बताया कि न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारती ने आरोपी हीरालाल पुत्र रामचरन निवासी चितरागोकुलपुर को न्यायालय उठने तक की सजा व छह सौ रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। उधर अभियोजन अधिकारी बृजमोहन ने बताया कि न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारती ने आरोपी मामा उर्फराजबहादुर पुत्र महिपाल निवासी हटवा थाना मऊ को तीन वर्ष का साधारण कारावास व पांच रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

राज्य कार्यकारिणी सदस्य बने शिवकुमार यादव

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेष यादव की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की संस्तुति पर शिवकुमार यादव निवासी मुलायम नगर को जिले का समाजवादी पिछडा वर्ग को राज्य कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इस मनोनयन पर समाजवादियो ने उन्हे बधाई दी है।

झण्डा दिवस पर अधिकारियों ने किया दान

चित्रकूट। सशस्त्र सेना झंण्डा दिवस का शुभारम्भ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल अवधेश सिंह (अ0प्रा0) ने आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा बाल कृष्ण त्रिपाठी, पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह को प्रतीक झण्डा लगाकर किया। इस दौरान सभी अधिकारियों ने दान पात्र में स्वैक्षिक दान किया। भूतपूर्व सैनिकों ने भी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बताते चले कि 07 दिसम्बर 1949 को पूरे देश में सशस्त्र सेना झंण्डा दिवस के रूप में शहीदों और वर्दी धारियों, जिन्होने देश के सम्मान की रक्षा के लिये हमारी सीमाओं पर बहादुरी से लडाई लडने, का सम्मान करने के लिये मनाया जाता है। सीमाओं पर बहादुरी से लडाई लडने और अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों की वीर नारियों, अपंग एवं गम्भीर बीमारियों से जूझ रहें पूर्व सैनिकों एव उनके आश्रितों, दीन हीन पूर्व सैनिकों जों उच्च खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं की सहायता करने, एवं उनके देख भाल करने के लिये हमारे दायित्व को दर्शाता है।

नौ दिसंबर को मानिकपुर में लगेगा रोजगार मेला

चित्रकूट। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मानिकपुर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने बताया कि जनपद के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिये लावा इंटरनेशनल लिमिटेड नोएडा द्वारा 9 दिसंबर को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मानिकपुर में अप्रेंटिस/ रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में आईटीआई पास आउट (महिला व्यवसाय को छोड़कर) प्रशिक्षार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, प्लेसमेंट से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आईटीआई के प्लेसमेंट प्रभारी प्रदीप भूषण पंडित मोबाइल नंबर 9450619506 से संपर्क कर सकते हैं।

सामाजिक समरसता दिवस के रूप मे मना परिनिर्वाण दिवस

चित्रकूट। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय कार्यक्रम सामाजिक समरसता दिवस को जिले की विभिन्न इकाई, कैंपस में मनाया गया, सेठ राधा कृष्ण पोद्दार इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य राजीव पाठक ने डॉ आंबेडकर के बारे में बताया तथा प्रवासी के रूप में आए बांदा विभाग के विभाग संयोजक नीतीश निगम ने बताया कि डॉ अंबेडकर सदैव से समाज को एक धारा में लाना चाहते थे जहां किसी प्रकार का किसी के साथ भेदभाव ना हो तथा सभी लोग छुआछूत जैसी कुरीति से दूर होकर के एक दूसरे का सम्मान करें। गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें कानपुर प्रांत उपाध्यक्ष डॉ पवन त्रिपाठी ने बताया डॉ भीमराव अंबेडकर राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ सदैव कार्य करते रहे हैं। हमारे वेद पुराण शास्त्रों में भी किसी भी प्रकार की छुआछूत भेदभाव का उल्लेख नहीं है। महाविद्यालय प्रधानाचार्य डॉ वीके चौधरी ने छात्र-छात्राओं को डॉ अम्बेडकर के जीवन दर्शन के बारे में बताया। इस मौके पर नीतीश निगम, राम जी, तेज प्रकाश, नितेश, अनुज निषाद, दुर्गेश द्विवेदी, रज्जन द्विवेदी, शाश्वत उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का लाभ न मिलने से क्षेत्र वासियों में आक्रोश

ढाई साल के बाद भी मांग पूरी न होने पर चलाया जा रहा अभियान

■ महोबा

जिले से निकले बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे सड़क का खरेला क्षेत्र के लोगों को लाभ नही मिल रहा है। कारण, खरेला क्षेत्र की भूमि से निकले इस हाईवे पर किसी भी जगह से कट लगाकर सड़क को जोड़ा नहीं गया है, जिससे खरेला के साथ साथ चरखारी, कुलपहाड़ क्षेत्र के लोगों को बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे सड़क पर सफर करने के लिए लंबी दूरी तय करना पड़ती है या फिर महरूम होना पड़ रहा है। यहां के जनप्रतिनिधियों और बाशिंदों द्वारा सड़क निर्माण काल के वक्त से सड़क पर कट लगाए जाने की मांग की जाती रही, लेकिन आज तक इनकी यह मांग पूरी नहीं हो सकी, जिससे क्षेत्र के लोगों में खासा आक्रोश व्याप्त है।

पूर्व प्रधान बसौठ स्कंध तिवारी, परथनियां ग्राम के मोतीलाल अहिरवार, अजय कुमार विश्वकर्मा आदि ग्रामीणों ने बताया कि जिले के समीवर्ती सात गांव की 2018 में भूमि अधिग्रहित कर बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे सड़क निर्माण करवाकर 2022 में सडक का लोकापर्ण किया गया था, लेकिन चरखारी कुलपहाड़ खरेला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र के लोगों को इस एक्सप्रेस वे सड़क का क्षेत्र के आसपास से लाभ नहीं मिल पा रहा है। बताया कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस निर्माण के समय चरखारी मुस्करा के मध्य परथनियां सड़क को कट लगाकर एक्सप्रेस वे से जोड़े जाने को लेकर पूर्व सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, विधायक राकेश गोस्वामी व एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर को ज्ञापन दिया गया था, जिस पर उनके द्वारा सड़क को बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से जोड़े जाने का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन ढाई साल का समय बीत जाने के बाद भी मांग पूरी नहीं हुई, जिससे क्षेत्र के लोगों में खासा आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में आने वाले सैकड़ों गांवों के ग्रामीणां ने ग्राम परथनिया में बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे सड़क पर कट लगाए जाने की मांग के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें ग्राम प्रधानों, समाजसेवियों और युवा संगठनों के सहयोग से एक बार फिर प्रतिनिधियों और प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजे जाने की रणनीति बनाई जा रही है। बताया कि एक माह के अंदर परथनियां गांव की सड़क को कट लगाकर बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे जोड़े जाने की पहल नहीं की गई तो क्षेत्र के लोग लामबंद होकर आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे। बताया कि एक्सप्रेस वे की सुविधा मिलने से जहां चरखारी कुलपहाड़ खरेला क्षेत्र के व्यापारियों का व्यपारिक आवागमन होगा वहीं आसपास के ग्रामों के ग्रामीणों रोजगार की सुविधा भी मिल सकेगी।

जैविक खेती के किसानों को जागरूक कर सिखाए गुर

महोबा। ग्रामोन्नति संस्थान के तत्वावधान में ग्राम सबुआ के पंचायत भवन में ग्राम स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में संस्थान द्वारा किसानों को जैविक खेती पर विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही जैविक खाद बनाने और उसके प्रयोग के फायदे और परंपरागत बीजों की बुवाई से लेकर भंडारण क्रियाओं से भी रुबरू कराया गया। गोष्ठी में किसानों ने जैविक खेती की जानकारी हासिल कर इसी विधि स खेती किए जाने की सहमति जताई।

गोष्ठी में ग्रामोन्नति संस्थान के रुद्रप्रताप मिश्र ने किसानों का जैविक खेती की जानकारी देते हुए बताया कि प्राचीन काल में मानव स्वास्थ्य के अनुकुल तथा प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप खेती की जाती थी, जिससे जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान प्रदान का चक्र (पारिस्थितिकी तंत्र) निरन्तर चलता रहा था, जिसके फलस्वरूप जल, भूमि, वायु तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता था।

कहा कि जैविक खेती रासायनिक खेती की विधि की तुलना में बराबर या अधिक उत्पादन देती है। जैविक खेती मृदा की उर्वरता एवं कृषकों की उत्पादकता बढ़ाने में पूर्णतः सहायक है। वर्षा आधारित क्षेत्रों में जैविक खेती की विधि और भी अधिक लाभदायक है। जैविक विधि द्वारा खेती करने से उत्पादन की लागत तो कम होती ही है इसके साथ ही कृषक भाइयों को आय अधिक प्राप्त होती है।

एसपी ने बरगढ़ थाने का किया निरीक्षण

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने थाना बरगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई व रजिस्टरों के उचित रख-रखाव, अद्यावधिक, बंदीगृह, सीसीटीएस कार्यालय, प्रभारी निरीक्षक कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क एवं नवनिर्मित भवन का निरीक्षण कर थानाध्यक्ष बरगढ़ को थाना परिसर की साफ सफाई कराने को बताया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष बरगढ़ पंकज तिवारी, पीआरओ प्रवीण सिंह उपस्थिति रहें।

जिले में हुए समाधान दिवस में आई 155 शिकायतों में से 20 का हुआ निस्तारण

जांच में फर्जीवाड़ा पाए जाने पर संबन्धित अधिकारी कर्मचारी पर होगी कार्रवाई

■ महोबा

तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिले के आला अधिकारी की मौजूदगी में संपन्न हुआ। समाधान दिवस के मौके पर 90 फरियादियों ने अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया, जिसमें से 10 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबन्धित विभाग के अधिकारियों को निष्पक्ष और समयवद्ध तरीके से निस्तारण किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर शिकायतों का अनुश्रवण करते हुए जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा संतुष्टि के आधार पर किया जाए। शिकायत का निस्तारण करने से पहले शिकायतकर्ता से जरूर बात की जाए। शिकायत निस्तारण से यदि शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं है तो शिकायत को निस्तारित नहीं माना जायेगा। उन्होंने कहा कि लेखपाल जब अपने क्षेत्र के ग्रामों में जाएँ तब दिग्गी पिटवाकर ग्रामीणों को सूचित करें और उनकी समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण करें, यदि कोई बड़ी समस्या है तो अपने उपजिलाधिकारी को अवगत कराएं।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने कहा कि कहा कि शासन के मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हर फरियादी की छोटी या बड़ी प्रत्येक समस्या को गम्भीरता से सुना जाए और कागज पर नही बल्कि धरातल पर शिकायतों का निस्तारण कर समय सीमा के अन्तर्गत ही उनका निराकरण भी सुनिश्चित किया जाए ताकि फरियादियों को इधर उधर अपनी समस्याओं को लेकर भटकना न पड़े। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी हरेंद्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोईनुल इस्लाम द्वारा भी फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इसी प्रकार तहसील कुलपहाड़ में आयोजित समाधान दिवस के मौके पर 48 शिकायतें आई, जिसमें 6 शिकायतों का अपर जिलाधिकारी शिशिर कुमार, उपजिलाधिकारी अनुराग प्रसाद, क्षेत्राधिकारी हर्षिता गंगवार ने मौके पर निस्तारण किया, वहीं तहसील चरखारी में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जहां पर उनके द्वारा आई 17 शिकायतों में से दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया।

बांग्लादेश में स्थाई शांति स्थापित करने में सार्क देशों की भूमिका अहम।

सार्क चार्टर दिवस कर दिया विश्व शांति ,अहिंसा ,मानव अधिकारों की रक्षा, मानवता, सामाजिक सद्भावना,परस्पर आपसी सहयोग बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण , जलवायु परिवर्तन की रोकथाम,बाल मजदूरी उन्मूलन, सीमा पार बाल व्यापार उन्मूलन ,बाल विवाह उन्मूलन एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संदेश।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क

चंपारण। सत्याग्रह भवन में सार्क देशों द्वारा सार्क चार्टर को अपनाने के वर्षगांठ पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया ,जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ,बुद्धिजीवियों एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक,डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया ,वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुर्वेदी, पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से सार्क के निमार्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विश्व शांति ,मानव अधिकारों की रक्षा, मानवता, अहिंसा ,सामाजिक सद्भावना, जलवायु परिवर्तन की रोकथाम, पर्यावरण संरक्षण, बाल मजदूरी उन्मूलन ,सीमा पार बाल व्यापार उन्मूलन ,बाल विवाह ,परस्पर आपसी सहयोग बढ़ाने एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संदेश देते हुए कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ चार्टर दिवस प्रतिवर्ष 8 दिसंबर को मनाया जाता है। इस अवसर पर बांग्लादेश में हिंसा एवं अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में स्थाई शांति लाने में सार्क देशों की भूमिका अहम है क्योंकि बांग्लादेश खुद सार्क देशों के सदस्यों में से एक है। हम सब शांति एवं बंधुत्व के साथ सार्क देशों के बीच परस्पर सहयोग बढ़ाने की आशा करते हैं।इस वर्ष क्षेत्रीय समूह की 40वीं वर्षगांठ है। ढाका, बांग्लादेश में आयोजित पहले सार्क शिखर सम्मेलन में चार्टर पर सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों या बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के शासनाध्यक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सार्क चार्टर का इतिहास गौरवशाली रहा है। 8 दिसंबर 1985 को, समूह के पहले शिखर सम्मेलन के दौरान, ढाका में सार्क चार्टर को अपनाया गया था। चार्टर पर आठ दक्षिण एशियाई देशों- बांग्लादेश, भूटान, अफगानिस्तान, मालदीव, नेपाल, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका के नेताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। जैसा कि इसके चार्टर में उल्लेख किया गया है, सार्क का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने और सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास के माध्यम से उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिए सामूहिक रूप से काम करना है।

कीर्तिमान : ग्रामोदय विश्वविद्यालय को मिला 'ए++' ग्रेड

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने जारी की ग्रेडिंग, ए डबल प्लस ग्रेड प्रदान किया

■ चित्रकूट

- ए++ ग्रेड मिलने की खुशी में ग्रामोदय विश्वविद्यालय में ढोल नगाड़ा बजे
- कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा का भव्य स्वागत
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने कुलगुरु को लेकर स्वागत जुलूस निकाला

ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी चित्रकूट में स्थित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने अब नया कीर्तिमान रच दिया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) बैंगलोर ने विश्वविद्यालय को ए डबल प्लस ग्रेडिंग प्रदान की है। राष्ट्र ऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित ग्रामोदय विश्वविद्यालय को ए डबल प्लस ग्रेड मिलने के बाद पूरे विश्वविद्यालय में हर्ष की लहर व्याप्त है। उच्च शिक्षा जगत में ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने श्रेष्ठता का परचम फिर लहराया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) बैंगलोर द्वारा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को सर्वोच्च ए डबल प्लस ग्रेड प्रदान किया गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शुभेच्छुओं को बधाई दी है।

कुलगुरु प्रोफेसर भरत मिश्रा ने बताया कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय को ए डबल प्लस ग्रेड मिलना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह ग्रेड इस बात को प्रदर्शित करता है कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिवार अपने शैक्षिक एवं अन्य सभी मूल्य को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहा है।

कुलसचिव नीरजा नामदेव ने बताया कि पिछले दिनों ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नैक की टीम पहुंची थी और उसने विश्वविद्यालय के अलग-अलग पैमानों पर रिपोर्ट तैयार की थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर यह रैंकिंग शुक्रवार शाम को जारी कर दी गई।

इस उपलब्धि को लेकर ग्रामोदय कैंपस में खुशी और उत्साह का माहौल है। ए डबल प्लस ग्रेड मिलने की खुशी में ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आज गाजे बाजे के साथ ढोल नगाड़ा बजे। कैंपस कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने कुलगुरु को लेकर स्वागत जुलूस निकाला। मालाएं पहनाई। मिठाई बांटी। संकाय, निदेशालय सहित कार्यालयों में कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा के प्रत्यक्ष रूप से पहुंचने पर बुके और मालाएं भेंट किया। स्वागत भ्रमण के दौरान प्र. कुलसचिव प्रो आर सी त्रिपाठी सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बेतिया में तीन दिन से चल रहे आचार्य सम्मेलन का समापन समारोह संपन्न

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। चंपारण विभाग का त्रिदिवसीय आचार्य सम्मेलन का रविवार को समापन समारोह संपन्न हुआ। द्वितीय और अंतिम दिवस विभिन्न प्रतियोगिताये जैसे हिंदी अंग्रेजी सुलेख, आशु भाषण, रंगमंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, समता, सूर्य नमस्कार, आचार्य वेश संपन्न हुई एवं विजेताओं को उनके परफॉर्मेंस के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए। अधिकांश प्रतियोगिताओं में सरस्वती विद्या मंदिर, बरवत सेना के आचार्य एवं आचार्या विजित हुए। समापन समारोह अपराह्न डेढ़ बजे से तीन बजे तक चला। इस समारोह के विशिष्ठ अतिथि थे पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य हरि लाल, मुख्य अतिथि थे चंपारण विभाग संघ चालक राजकिशोर प्रसाद अन्य अतिथियों में विभाग कार्यवाह कृष्णा पासवान,जिला संघ चालक मंकेश्वर प्रसाद, चंपारण विभाग निरीक्षक अनिल राम, बेगूसराय विभाग निरीक्षक से कृष्णा प्रसाद,नव गठित विद्यालय समिति अध्यक्ष श्री वर्मा प्रसाद, कोषाध्यक्ष शिव कुमार, प्रधानाचार्य विनोद कुमार मंचासिन थे। दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन एवं वंदना के बाद पुरस्कार वितरण किया गया।पुरस्कार प्राप्त करने वालों में लखींद्र कुमार सिंह, राजेश मिश्र, नवनीत जी, शिल्पी वर्मा, श्वेता कुमारी, विमलेश कुमार सिंह, शशांक कुमार, शशि रंजन आदि थे। मुख्य अतिथि हरि लाल ने कहा कि वे विद्या भारती विद्यालयों के अनुशासन और संस्कार से अभिभूत हैं। विशिष्ट अतिथि राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि ज्ञान की ताकत तलवार की ताकत से काफी अधिक होती है।इस प्रकार के सम्मेलन निश्चित रूप से शिक्षकों को ऊजार्वान एवं स्किल्ड बनाते है। समिति अध्यक्ष ने शिक्षकों को और अधिक जोश से कार्य करने का आवाहन किया। अंत में प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अतिथि,अधिकारी, आचार्य, कर्मचारी, पत्रकार बंधुओं एवं अन्य को धन्यवाद दिए।

सार संक्षेप

अनन्या पांडे यूथ आइकॉन ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली: बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे को एनडीटीवी के इंडियन ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2024 में यूथ आइकॉन ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। इस दौरान अनन्या ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर बात की। अनन्या पांडे से पूछा गया कि एक के बाद एक सक्सेस देख उन्हें कैसा लगा तो उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है. मैंने इस तरह की फिल्में की जिससे लोग कनेक्ट कर पाएं।मैंने भी खुद को दर्शकों से जुड़ा हुआ महसूस किया।काफी लोगों ने कहा कि उन्हें मेरा काम अच्छा लगा। वहीं अनन्या ने अपनी फेवरेट फिल्म और रोल के बारे में भी बताया।अनन्या ने कहा कि उन्हें करीना कपूर की जब वी मेट बहुत पसंद है और गीत कैरक्टर उन्हें बहुत अच्छा लगता है। अनन्या ने कहा कि सीक्वल में काम करने का मौका मिला तो वे इस फिल्म के सीक्वल में जरूर काम करना चाहेंगी।

परेशान हो रहीं हैं मईयां सम्मान योजना की हकदार : मरांडी

रांची: झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मईयां सम्मान योजना को लेकर फिर एकबार राज्य सरकार पर निशाना साधा। मरांडी ने कहा कि हजारीबाग जिले सहित पूरे झारखंड में महिलाएं 'मंईयां सम्मान योजना' के तहत मिलने वाली राशि के लिए अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। 18 से 50 वर्ष की उम्र की विधवा, आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय महिलाएं, जो इस योजना के अंतर्गत आती हैं, उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा। कई महिलाओं ने चार से पांच बार आवेदन किया, लेकिन फिर भी उनके खातों में सम्मान राशि जमा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्रतिमाह 2500 रुपये देने का प्रावधान है, लेकिन अधिकांश महिलाओं को राशि मिलना तो दूर, आवेदन स्वीकृति की स्थिति तक स्पष्ट नहीं है, इससे झारखंड की सभी माताएं बहनें परेशान हो रही हैं। कई मामलों में, फार्म भरने और आवश्यक दस्तावेज देने के बावजूद, योजना का लाभ नहीं मिला।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से मांगी 50 लाख रुपए की रंगदारी

रांची: केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ को धमकी देते हुए उनसे बतौर रंगदारी 50 लाख रुपये की मांग की गयी है। यह धमकी भरा मैसेज सांसद श्री सेठ के मोबाइल में पिछले शुक्रवार को दिन में करीब चार बजे आया था। उस समय सेठ दिल्ली में एक बैठक में शिरकत कर रहे थे लेकिन उन्होंने तुरंत इसकी सूचना दिल्ली के डीसीपी को दी। डीसीपी ने सेठ से मुलाकात कर सारी जानकारी ली और इसकी जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच में पता चला कि जिस नंबर से धमकी भरा मैसेज आया था, उसका लोकेशन राजधानी रांची के कांके इलाका में मिला। इसके बाद झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता को जानकारी दी गयी। इस मामले में झारखंड पुलिस दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है और अपराधियों की पहचान करने में जुटी है।

सेना ने ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सैनिक को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर: सेना ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान ड्यूटी के दौरान शहीद हुये राइफलमैन जसविदर सिह को शनिवार को श्रद्धांजलि दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चिनारकॉर्प्स को ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान आरएफएन जसविदर सिह के दुर्भाग्यपूर्ण और असामयिक निधन पर खेद है। दुख की इस घड़ी में, भारतीयसेना शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़ी है और उनके समर्थन में प्रतिबद्ध है। हालांकि सेना ने अधिक विवरण का खुलासा नहीं किया, लेकिन सूत्रों ने कहा कि सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स के जवान की शुक्रवार को फकीर गुजरी दारा हरवान में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता है गुजरात : अमित शाह

● अहमदाबाद,

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है।

शाह ने गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के 34 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज मनाए गए लोकसेवा के उत्सव पर कहा कि गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट अपने 35वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, मैं ट्रस्टियों को उनके नेक और निस्वार्थ प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं आज इस संगठन द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करता हूं। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, सच्चा ज्ञान दूसरों की सेवा करने के लिए खुद से ऊपर उठने में निहित है। यह ट्रस्ट सेवा और करुणा की इसी भावना का उमदा उदाहरण है।

अमित शाह ने इस अवसर पर भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति द्वारा परिकल्पित जन कल्याण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से सरकार ने नागरिकों को आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा, ''इन पहलों ने पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। हालांकि, मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार अकेले यह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती। कई ट्रस्टों और व्यक्तियों ने इसे साकार करने में योगदान दिया है।

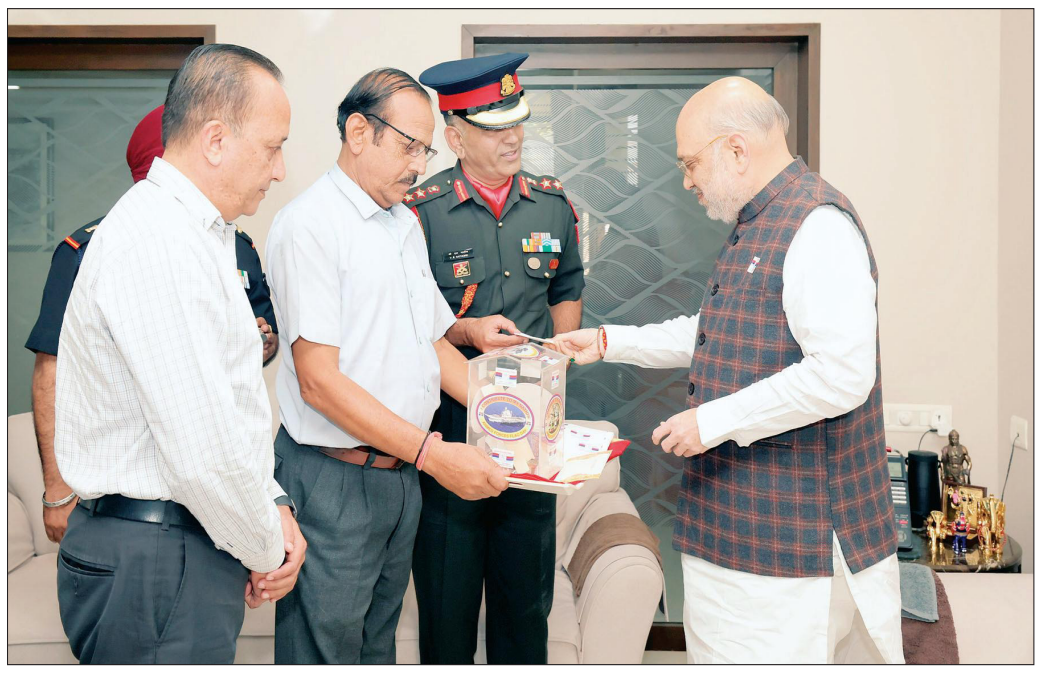

शनिवार को नई दिल्ली में सशस्त्र बल झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बल ध्वज पिन लेते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर पर हमला

कट्टरपंथियों ने पेट्रोल डालकर आग लगाई, मूर्तियों समेत सभी सामान जला

● ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने एक बार फिर इस्कॉन मंदिर को निशाना बनाया है। शनिवार को राजधानी ढाका में इस्कॉन मंदिर में आग लगा दी गई। कोलकाता इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने ढळकको बताया कि बांग्लादेश में लगातार वैष्णव सम्प्रदाय और इस्कॉन सदस्यों को टारगेट कर हमले किए जा रहे हैं।

राधारमण दास ने पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश में एक और इस्कॉन नमहट्टा सेंटर को जला दिया गया। हमले में श्री श्री लक्ष्मी नारायण देवता की मूर्तियों समेत मंदिर का सामान पूरी तरह से जल गया। शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात 2-3 बजे के बीच उपद्रवियों ने ढाका में मौजूद श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर और श्री श्री महाभाग्य लक्ष्मी नारायण मंदिर में आग लगा दी। उन्होंने आरोप लगाया कि उपद्रवियों ने मंदिर में आग लगाने के लिए पेट्रोल या ऑक्टेन का इस्तेमाल किया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से हमारी अपील के बाद भी, पुलिस इन हमलों से निपटने के लिए कोई खास कदम नहीं उठा रही है। राधारमण दास ने न्यूज एजेंसी से कहा- हम उम्मीद कर रहे थे अब हिंसा कम होगी, दो दिन में हिंसा कुछ कम भी हुई थी, लेकिन आज हुई घटना बहुत दुखद है। अंतरिम सरकार के प्रमुख ने अल्पसंख्यक समूहों के प्रमुखों से मुलाकात भी की थी। इसके बाद हम लोग हालात में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे,

लेकिन अब जो देख रहे हैं वो एकदम अलग ही तस्वीर है। मेरे पास और भी कई वीडियो आए हैं, जिसमें कुछ लोग धमकी देते हुए कह रहे हैं कि अगर सरकार इस्कॉन को बैन नहीं करेगी तो हम खुद इस्कॉन के लोगों की हत्या करना शुरू करेंगे। सरकार को ऐसे लोगों को जल्द गिरफ्तार करना चाहिए। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने पोस्ट में कहा- बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन नमहट्टा सेंटर पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें श्री श्री लक्ष्मी नारायण के विग्रह और मंदिर का सामान जल गया। दोषियों को कटघरे में लाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। बांग्लादेश में 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना सरकार गिरने के बाद हिंदू आबादी निशाने पर है। मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। हिंदू नेताओं को धमकियां मिल रही हैं। इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास देशद्रोह के आरोप में 25 नवंबर से पुलिस हिरासत में हैं।

सैनिकों का कल्याण करना देश की सामूहिक जिम्मेदारी: राजनाथ

सशस्त्र बल झंडा दिवस पर केंद्रीय रक्षा मंत्री ने देशवासियों किया आह्वान

● नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान करने का आह्वान करते हुए कहा है कि सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना देश की सामूहिक जिम्मेदारी बताया है।

सिंह ने शनिवार को इस अवसर पर अपने वीडियो संदेश में कहा कि यह दिन नागरिकों के लिए सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान तथा समर्पण को पहचानने और इनके प्रति जिम्मेदारियों को पूरा करने के संकल्प की पुष्टि करने का अवसर होता है। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बल एक अभेद्य सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं, जो हर स्थिति में हमारी रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, न केवल बाहरी खतरों से, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी। उनका बलिदान और हमारे सैनिकों का अनुशासन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने लोगों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनका योगदान सैनिकों और उनके परिजनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सौ हाथों से कमाए और हजार हाथों से दान दे। यह दिन हर वर्ष शहीद नायकों और जवानों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है जो मातृभूमि की रक्षा के लिए सीमाओं पर बहादुरी से लड़ते हैं। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है।

तेलंगाना सड़क दुर्घटना में पांच की मौत

भुवनगिरी: तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले के गांव जलालपुर में शनिवार तड़के एक कार अनियंत्रित होकर तालाब में गिरने से पांच युवकों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना तड़के तब हुयी, जब कार सवार युवक हैदराबाद से भूदान पोचमपल्ली जा रहे थे। तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गहरे तालाब में जा गिरी। इसमें पांच युवकों की मौत हो गयी, जबकि एक घायल युवक तैरकर तालाब के बांध तक पहुंचने में सफल रहा। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार को तालाब से बाहर निकाला। उन्होंने घायल युवक को भुवनगिरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। सूत्रों के अनुसार, मृतकों में हर्ष, दिनेश, वामशी, बालू और विनय के हैं।

नायब सैनी का बयान बेतुका: सैलजा

चंडीगढ: कांग्रेस महासचिव और सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को कहा कि किसानों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिह सैनी का बयान बेतुका है। कुमारी सैलजा ने कहा कि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के कानून व अन्य मांगों को लेकर दिल्ली जाने का प्रयास करने वाले किसानों से हमदर्दी जताने के बजाय कहते हैं कि 'दिल्ली कूच' करने वाले किसान पंजाब के हैं इसलिए वहाँ के मुख्यमंत्री भगवंत सिह मान को उनसे बात करनी चाहिए। यह बयान सरासर गैर-जिम्मेदाराना है। किसान पंजाब के हों या हरियाणा के, सभी को लोकतंत्र में अपनी बात कहने का अधिकार है। एमएसपी का मुद्दा केंद्र सरकार से जुड़ा हुआ है, पंजाब से नहीं। यदि पंजाब के किसान एमएसपी गारंटी का कानून बनाने की मांग पर केंद्र सरकार के पास जा रहे हैं।

मामूली विवाद में पिता ने की पुत्र हत्या

खरगोन: मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के ऊन थाना क्षेत्र के ऊपडी गांव में एक व्यक्ति ने काम नहीं करने से नाराज होकर अपने पुत्र की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि रूम सिह अखाड़े (55) को उसके पुत्र हीरालाल उर्फ हीरू (30) की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि रूम सिंह अपने मंझले पुत्र हीरालाल के कुछ काम नहीं करने के चलते नाराज रहता था। पिता और पुत्र के बीच इसी बात को लेकर अक्सर विवाद भी होता रहता था। हल जोतने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। जब रूम सिह रात को अपने घर आया तो उसने हीरालाल को पलंग पर सोते हुए देखा। उसने गुस्से में आकर कुल्हाड़ी से हीरालाल पर वार किया, जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सीरिया में घटनाक्रम के बारे में इस्लामी गणराज्य ईरान के विदेश मंत्रालय का वक्तव्य

ईरान। के इस्लामी गणराज्य के विदेश मंत्रालय ने सीरिया में हाल के घटनाक्रमों पर विचार करते हुए सीरिया की एकता, राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के ईरान के सैद्धांतिक रुख को दोहराया है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि सीरिया के भविष्य का निर्धारण करना और उसके भाग्य के बारे में निर्णय लेना पूरी तरह से सीरियाई लोगों की जिम्मेदारी है, बिना किसी विनाशकारी हस्तक्षेप या बाहरी दबाव के। इसे प्राप्त करने के लिए सैन्य संघर्षों को तत्काल समाप्त करना, आतंकवादी गतिविधियों को रोकना और सीरियाई समाज के सभी वर्गों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय संवाद की शुरूआत करना आवश्यक है ताकि एक समावेशी शासन संरचना स्थापित की जा सके जो सभी सीरियाई लोगों का प्रतिनिधित्व करती हो। ईरान का इस्लामी गणराज्य सीरिया में राजनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अंतर्राष्ट्रीय तंत्रों, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2254 का समर्थन करना जारी रखता है। इस्लामी गणराज्य इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र के साथ

रचनात्मक जुड़ाव भी बनाए रखता है। सीरिया के इतिहास के इस महत्वपूर्ण दौर में, सभी सीरियाई नागरिकों और विदेशी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, धार्मिक स्थलों की पवित्रता को बनाए रखना और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सिद्धांतों के अनुसार राजनयिक और कांसुलर सुविधाओं की सुरक्षा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईरानी और सीरियाई देशों के बीच संबंधों की ऐतिहासिक जड़ें गहरी हैं और वे हमेशा से मैत्रीपूर्ण रहे हैं। उम्मीद है कि यह संबंध दोनों देशों द्वारा आपसी हितों और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी दायित्वों के पालन के आधार पर एक बुद्धिमान और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ जारी रहेगा। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश के रूप में सीरिया की भूमिका पर जोर देते हुए, सीरिया में सुरक्षा और स्थिरता स्थापित करने में मदद करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस उद्देश्य के लिए, यह सभी प्रभावशाली पक्षों, विशेष रूप से क्षेत्र के लोगों के साथ परामर्श जारी रखेगा। यह स्पष्ट है कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान सीरिया और क्षेत्र में विकास पर बारीकी से नजर रखेगा। सीरिया के राजनीतिक और सुरक्षा परिदृश्य में प्रमुख खिलाड़ियों की कार्रवाइयों और आचरण को ध्यान में रखते हुए, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान आवश्यकतानुसार उचित दृष्टिकोण और स्थिति अपनाएगा।

झारखंड विस चुनाव: झामुमो का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

जबकि कांग्रेस का प्रदर्शन 2019 की तुलना में सुधार के बजाय और हो गया खराब

● रांची,

झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो गठबंधन को अपेक्षा से अधिक सीटें मिलीं जबकि कांग्रेस का प्रदर्शन 2019 की तुलना में सुधार के बजाय और खराब हो गया ।

दरअसल वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 16 सीटें जीती थी लेकिन बाद में विधायक प्रदीप यादव और बंधु तिर्की कांग्रेस में शामिल हो गए थे और कांग्रेस की सीटें बढ़कर 18 हो गई थी लेकिन इस बार कांग्रेस केवल 16 सीटें ही जीत पाई। दूसरी ओर, झामुमो ने अपना प्रभाव बढ़ाया और 34 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन गई और विधानसभा चुनाव में यह उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। झामुमो के लिए यह एक उत्साहजनक क्षण है लेकिन गठबंधन दलों के भविष्य के लिए यह एक चेतावनी भी है। झामुमो के विधानसभा चुनाव में अब तक के सबसे बेहतर प्रदर्शन के लिए हेमंत सोरेन के अलावा कल्पना सोरेन को भी श्रेय दिया जा रहा है। झामुमो 2029 के विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने का विकल्प चुन सकती है। यह पहली बार तब संकेत दिया गया था जब झामुमो ने मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सभी अन्य दलों को अलग कर दिया और केवल हेमंत सोरेन ने अकेले शपथ लिया और वह अकेले झारखंड सरकार का चेहरा बन गये। परंपरागत रूप से, मुख्यमंत्री के साथ-साथ गठबंधन दलों के मंत्री भी शपथ लेते हैं। झामुमो ने गठबंधन सहयोगियों को अपनी सीमा में रहने के लिए एक संदेश भेजा, जो भविष्य के लिए एक चेतावनी है। इसके अलावा, चुनावी आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सभी दल झामुमो के कारण लाभान्वित हुए हैं। वर्तमान में, झामुमो आदिवासी वोटों को बनाए रखती है, जो अन्य दलों को भी लाभ पहुंचाती है। यदि झामुमो भविष्य में अकेले चुनाव लड़ती है, तो वह सबसे अधिक अल्पसंख्यक वोट लेने की संभावना रखती है। इसके अलावा, इस कैबिनेट विस्तार में, झामुमो ने दो ओबीसी नेताओं, सुदिव्य कुमार सोनू और योगेंद्र प्रसाद को मंत्रिमंडल में शामिल किया, जो एक मजबूत संदेश है। हालांकि, कांग्रेस इस बार ओबीसी नेता बन्ना गुप्ता की हार के बाद नये कैबिनेट में ओबीसी नेता को शामिल करने में विफल रही, जिससे ओबीसी समुदाय के भीतर असंतोष पैदा हो गया है। इस बार कांग्रेस कोटे से हेमंत मंत्रिमंडल में दीपिका पांडे (ब्राह्मण), इरफान अंसारी(अल्पसंख्यक),शिल्पी नेहा तिर्की (आदिवासी) और राधा कृष्ण किशोर (एससी) को जगह मिली लेकिन ओबीसी समुदाय का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

इस बीच, झामुमो भविष्य के राजनीतिक लाभ के लिए सावधानी से स्थिति बना रही है, जबकि कांग्रेस खतरे से अनजान लगती है। कांग्रेस नेतृत्व को इस संभावना पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि यदि भविष्य में झामुमो से अलग होकर कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ना पड़ता है, तो वह ओबीसी मत कैसे हासिल करेगा।

शनिवार को रायरंगपुर में विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास में शामिल हुईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ।

औपनिवेशिकवाद से मुक्ति ही दिलायेगी सही अर्थों में स्वतंत्रता

शाहीन सबा

यद्यपि हमने 15 अगस्त, 1947 को औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की किंतु अंग्रेजों की लगभग 200 वर्षों की दासता का दुष्प्रभाव हमारी संस्थाओं, व्यवस्थाओं, राजनैतिक-सामाजिक प्रतीकों एवं जीवनशैली में विद्यमान हैं। औपनिवेशिक प्रवृत्ति एवं परंपराएं हमारी शासन व्यवस्था, भाषा, वास्तुकला एवं जीवन के अन्यान्य क्षेत्रों में अभी भी उपस्थित हैं। भौगोलिक परतंत्रता अब मानसिक और सांस्कृतिक गुलामी में परिवर्तित हो रही है। वर्तमान परिदृश्य में जब भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम औपनिवेशिक मानसिकता एवं उसके प्रतीकों से पूर्णरूपेण मुक्त हों। ऐसी सोच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण तक ही सीमित न रहे, अपितु यह व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बने।

कहना न होगा कि गुलामी केवल भौगोलिक रूप से किसी देश पर आधिपत्य जमाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उस राष्ट्र के जीवन दर्शन एवं मूल्यों को भी प्रभावित करती है। अंग्रेजों ने भारत पर शासन करते हुए न मात्र भौगोलिक एवं आर्थिक शोषण किया, वरन् भारतीय ज्ञान परंपरा, सामाजिक परंपरा, इतिहास और सांस्कृतिक अस्मिता को भी विकृत किया। परिणामस्वरूप ऐसी मानसिकता का विकास हुआ जिसमें भारतीय नागरिक 'स्व' के अस्तित्व को भूलकर पश्चिमी सभ्यतागत विमर्श के अनुगामी बन बैठे।

भारत में आज भी अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व है। उच्च शिक्षा, न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक कार्यों में अंग्रेजी का ही बोलबाला है। भारतीय भाषाओं का व्यवहार करने वालो को कमतर आंका जाता है। आज माता-पिता इस बात पर गर्व करते हैं कि हमारा बेटा एक भी शब्द हिंदी का नहीं बोलता। इस सन्दर्भ में भारतेंदु हरिश्चंद्र का भाषा संबंधी विचार अंग्रेज़ी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन, पै निज भाषा ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन सार्थक हैं। अंग्रेज़ी से हमें परहेज नहीं होना चाहिए परन्तु उसे अपनी मातृभाषा से ज्यादा महत्त्व देना ठीक वैसे ही है जैसे अपनी माँ के स्थान पर दूसरे की माँ को अधिक श्रेष्ठ मानना। भारतीय भाषाओं में दक्षता नहीं होने की वजह से इनमें निहित भारतीय ज्ञान परंपरा से हम दूर हो रहे हैं। इन परंपराओं यथा योग, आयुर्वेद, वैदिक गणित, तर्क, चिकित्सा एवं दर्शनशास्त्र आदि के बारे में हमें पढ़ाया जाना चाहिए। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को प्रशासन, न्याय और शिक्षा में अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

भारतीय संस्कृति की महत्ता के संदर्भ में चीनी राष्ट्रवादी राजनयिक एवं विद्वान हू शिह का उद्गार समीचीन है, भारत अपनी सीमा के पार बिना एक भी सैनिक भेजे बीस शताब्दियों तक चीन पर अपना सांस्कृतिक प्रभुत्व बनाए रखा। बावजूद इसके आज का भारतीय समाज पश्चिमी संस्कृति को अपनी संस्कृति से अधिक आधुनिक और श्रेष्ठ मानता है। आज हमारे आचार-व्यवहार, गीत-संगीत सहित सम्पूर्ण जीवनशैली में पश्चिमी क्रियाकलापों का

अंग्रेजों ने भारतीयों में यह भावना विकसित की कि हम सभ्यता, ज्ञान, और संस्कृति के क्षेत्र में पश्चिम से कमतर हैं। यहाँ तक कहा गया कि भारतीयों को सभ्य बनाना अंग्रेजों का अतिरिक्त कर्तव्य है। दुर्भाग्यवश हीनभावनाओं की जड़ें अब बहुत गहरी हो गयी हैं।

अंधानुकरण एक स्टेटस सिंबल बन गया है। हम जो फादर्स-मदर्स-ब्रदर्स-सिस्टर्स-वैलेंटाइन डे आदि मनाते है, यह तो हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं, अपितु पाश्चात्य संस्कृति की भोंड़ी नकल हैं। हमारे लिए तो जीवन का प्रत्येक क्षण इन रिश्तों में आत्मीयता हेतु समर्पित था। हम अपनी प्रकृति-प्रेमी जीवन-शैली से विरक्त होकर प्रकृति विरोधी पथ पर अग्रसर हो गए है, परिणामतः जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को विवश हैं।

व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित करने वाली गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के बजाय भारतीय शिक्षा प्रणाली आज भी मैकाले द्वारा स्थापित ढांचे पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारतीयों को उनकी सांस्कृतिक विरासत एवं जड़ों से काटना एवं पाश्चात्य मानसिकता विकसित करना था। हमारी शिक्षा व्यवस्था भारतीय ग्रंथों, विज्ञान और परंपराओं के स्थान पर पश्चिमी ज्ञान को श्रेय देती है। यहाँ तक कि हमारे आर्ष ग्रन्थों, सामाजिक संरचना एवं परम्पराओं की मनमानी व्याख्या करके हमारे समाज के भीतर विद्वेष के बीज बोए गए जिसके दुष्परिणाम हमारे सामाजिक-आर्थिक जीवन में दिखते हैं। इनमें विराम लगाने की आवश्यकता है।

आज भी भारतीय न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्था ब्रिटिश मॉडल पर आधारित है। भारतीय दंड संहिता (आई पी सी), पुलिस एक्ट, और अन्य कानून, जो ब्रिटिश शासन के दौरान लागू किए गए थे, कमोवेश आज भी जस के तस उसी रूप में हैं। न्यायिक प्रक्रिया अंग्रेजी में होती है, जो आम जनमानस की समझ से परे है। भला हो मोदी सरकार का जिसने पहली बार भारतीय न्याय संहिता लागू की।

अंग्रेजों ने भारतीयों में यह भावना विकसित की कि हम सभ्यता, ज्ञान, और संस्कृति के क्षेत्र में पश्चिम से कमतर हैं। यहाँ तक कहा गया कि भारतीयों को सभ्य बनाना अंग्रेजों का अतिरिक्त कर्तव्य है। दुर्भाग्यवश हीनभावनाओं की जड़ें अब बहुत गहरी हो गयी हैं। पश्चिमी देशों से आयातित वस्तुओं और आचार-विचारों को उत्तम और भारतीय उत्पादों एवं विचारों को कम गुणवत्ता का मानना इसका ज्वलंत उदाहरण है। हमें भारत के गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत एवं इतिहासबोध से दूर रखने की साजिश रची गयी, फलस्वरूप हम भारत के मूल स्वभाव को ही नहीं जान पाए एवं उससे दूर होते गए।

औपनिवेशिक मानसिकता हमारे विकास में बाधा बन कर आत्मनिर्भरता के रास्ते का रोड़ा बन रही है। भारतीय परंपराओं, त्योहारों, संस्कारों, रीति रिवाजों, कौशल-विकास परम्परा, ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था आदि को आधुनिकता के नाम पर त्यागा जा रहा है। युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से अनभिज्ञ होती जा रही है। योग, आयुर्वेद और वास्तु जैसे अन्यान्य भारतीय ज्ञान-विज्ञान को पश्चिमी देशों द्वारा पुनः प्रस्तुत किए जाने पर ही मान्यता दी जाती है। हम अपने संसाधनों एवं प्रतिभा का संपूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। विदेशी वस्तुओं, तकनीक और सेवाओं पर अत्यधिक निर्भरता आत्मनिर्भर भारत के मार्ग को दुष्कर बना रही है।

ऐसे में यक्ष प्रश्न है कि मानसिक गुलामी से मुक्ति कैसे पाई जाए? सर्वप्रथम प्रत्येक भारतीय को यह स्वीकार करना चाहिए कि हम भले ही राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो, लेकिन हमारी सोच पर अभी भी औपनिवेशिकता की काली छाया मड़रा रही है। जब तक भारतीय समाज इस बीमारी से मुक्त नहीं होगा, स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। आवश्यकता है कि हम अपनी जड़ों की ओर लौटें एवं उसे सीचें। अपनी संस्कृति एवं जीवंत परंपरा पर गर्व करें और औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागकर आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी, विकसित एवं 'स्व' के तंत्र वाले भारत का निर्माण करें। इस हेतु एक व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आध्यात्मिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। जो केवल सरकारी नीतियों तक सीमित न हो, जिसमें समाज का हर वर्ग सम्मिलित हो। यशश्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ कदमताल कर 2047 तक इस लक्ष्य को प्राप्त कर ही लेना होगा।

'हिन्दूफोबिक' विपक्ष और विदेशी शक्तियों के षड्यंत्र

सुनो भाई साधो! वर्ष 1 अंक 17

हिन्दू समाज के 500 वर्षों के सतत संघर्ष और अगणित बलिदानों के पश्चात श्री रामलला विराजमान के, जिन्हें देश के सर्वोच्च न्यायालय में अपनी जन्मभूमि पर अपना अधिकार सिद्ध करना पड़ा, भारत के लोगों के धन से भव्य जन्मभूमि-मंदिर का निर्माण हुआ उसकी प्राणप्रतिष्ठा समारोह में ये लोग तो आमंत्रण मिलने के बाद भी सहभाग नहीं किए। ये लोग श्रीराम, श्रीकृष्ण और महादेव के भक्तों को न्यायलय में अपने आराध्य की जन्मभूमि या ऐतिहासिक मंदिर की प्रमाणिकता के लिए आने को विवश करते हैं।

विप्लव विकास

नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद यूनुस की देखरेख में बांग्लादेश में हिन्दुओं का जातिय संहार योजनाबद्ध रूप से चल रहा है। जातिय संहार को अंग्रेजी में एथनिक क्लींजिंग कहते है, संभवतः आप भी अंग्रेजी के ही इस शब्द से अधिक परिचित हों क्योंकि जातियों के संहार की बात एक भारतीय मन में न हो ये स्वाभाविक है परन्तु ईसाइयत और इस्लाम का इतिहास इस शब्द के चारो ओर चक्कर लगाता है। इस विषय पर विगत चार महीनों से हम 'स्वदेश' सहित विभिन्न संवाद माध्यमों में पढ़ते और सुनते आ रहे है। परन्तु एक बात गौर करने की है कि इस देश का विपक्ष, मैं केवल वामपंथी दलों की बात नहीं कर रहा हूँ, सम्पूर्ण विपक्ष बांग्लादेश की परिस्थिति पर या तो मौन है या फिर द्विधा में है। वामपंथियों की भूमिका पर हमलोगों ने पिछले अंक में विस्तार से चर्चा की था। 'हिन्दूफ़ोबिया' की जो बीमारी समाज के एक हिस्से को लगी, इसके मूल सूत्रधार वामपंथी हैं। इनके चरित्र से हम सभी परिचित हैं। भारतीय राजनीति के अंकगणित की दृष्टि से ये दल परजीविता के सहारे दो-चार आसन सम्पूर्ण भारत में प्राप्त कर पाते हैं। परन्तु आन्दोलनजीविता और वर्तमान भारतीय विपक्ष के लिए 'पीच' तैयार करने में इनकी भूमिका अग्रगणी होती है। अलग-अलग नाम, पहचान, रंग और स्वरुप में वामपंथी कट्टरता ही देश के समक्ष नई समस्याओं या फिर भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने वाले वातावरण को जन्म देती है। राहुल गाँधी के हाथ में वो 'लाल संविधान' की पुस्तिका तो आपने देखी होगी न? तो क्या विपक्ष 'हिन्दूफ़ोबिक' हो गया है?

ये सप्ताह भारतीय विपक्ष के लिए चिंतन करने वाला सप्ताह रहा है अगर वो सकारात्मक विपक्ष की भूमिका पालन करने को इक्षुक और प्रस्तुत है। अन्यथा भारत की जनता को चिंतन करना चाहिए कि 'एक ही स्वरुप की घटनाओं' पर 'विपक्ष का अलग-अलग रूप' क्यों होता है? जब बहराइच में गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है तब न तो राहुल न ही अखिलेश कोई भी उनके परिवार के साथ खड़ा नहीं होता। हिन्दू समाज के 500 वर्षों के सतत संघर्ष और अगणित बलिदानों के पश्चात श्री रामलला विराजमान के, जिन्हें देश के सर्वोच्च न्यायालय में अपनी जन्मभूमि पर अपना अधिकार सिद्ध करना पड़ा, भारत के लोगों के धन से भव्य जन्मभूमि-मंदिर का निर्माण हुआ उसकी प्राणप्रतिष्ठा समारोह में ये लोग तो आमंत्रण मिलने के बाद भी सहभाग नहीं किए। ये लोग श्रीराम, श्रीकृष्ण और महादेव के भक्तों को न्यायलय में अपने आराध्य की जन्मभूमि या ऐतिहासिक मंदिर की प्रमाणिकता के लिए आने को विवश करते हैं। तब इनकी वैज्ञानिकता और न्यायप्रियता की बात सुनते बनती है। भाई, जब मंदिर अपने होने की प्रमाणिकता देने के लिए सभी प्रकार के न्यायिक और वैज्ञानिक जाँच के लिए प्रस्तुत हैं या हो जाते हैं, तो फिर मस्जिदों की जाँच उसी आधार पर क्यों नहीं होनी चाहिए? रामसेतु की वैज्ञानिक पद्धति से जाँच करवा ली। अब भोजशाला हो या संभल या अजमेर या फिर मालदा का आदिनाथ का मंदिर जो वर्तमान में तथाकथित अदीना मस्जिद कहलाती है की जाँच वैज्ञानिक और न्यायिक प्रक्रिया के तहत क्यों ना हो? जाँच कीजिए, जो सत्य सामने आये उसके आधार पर निर्णय लीजिए। इस पर ये 'हिन्दूफ़ोबिक गैंग' तुरंत कहता है 'न जी न, इससे तो 'उनकी' भावनाएं भड़क जाएंगी'। क्यों भाई अपने महादेव के मंदिर के हिस्सों को जबरन तोड़कर उसी के ऊपर तीन-चार गुम्बद बैठा कर उसे मस्जिद घोषित कर देने वाली घटना को सुनकर हिन्दुओं की भावनाएं नहीं भड़क सकतीं? जब शिवलिंग को फव्वारा कहते हो तब हिन्दुओं की भावनाएं नहीं भड़क सकती? जब हिन्दू समाज औरंगजेब, अकबर, बाबर, खिलजी जैसे तत्कालीन आततायी शासकों के द्वारा अपने पूर्वजों के स्वाभिमान के मर्दन की घटनाएं इतिहास में पढता है और अपनी नंगी आँखों से काशी, मथुरा, अजमेर, मालदा जैसे सहस्त्रों स्थानों पर देखता है तब उसकी भावनाएं नहीं भड़क सकती क्या?

न्यायप्रिय, सतत संघर्ष और अपने पूर्वजों की सत्यान्वेषण की वैज्ञानिक परंपरा में विश्वास करने वाला हिन्दू समाज पत्थरबाजी करने और अपने देश की सड़को पर भीड़ के द्वारा फैसले करने वाली जमात का हिस्सा नहीं होना चाहता इसलिए वो न्यायलय की ओर कूच करता है। जाँच के लिए दरवाजे खोलता है। उसे पता है कि सत्य उसके साथ है और जाँच के बाद निर्णय सत्य के पक्ष में ही आएगा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और श्रीराम सेतु इसके जाज्वल्यमान प्रमाण हैं। तदनुरूप कांग्रेस और उनके गुट को भी ये पता है कि अगर जाँच सही से हो गयी तो वर्तमान का कब्ज़ा समाप्त हो जाएगा इसलिए वो जाँच में बाधा डालते हैं, मुसलमानों के एक गुट को भड़काते हैं और भड़काए रखते है जिससे उनका ये चातुर्यपूर्ण-वक्तव्य कि 'मुसलमानों की भावनाएं आहत होंगी' समीचीन बना रहे। न्यायलय तथा सरकार के ऊपर शांति-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे। तभी तो संभल में पत्थरबाजी कराई जाती है। इसमें भी समाजवादी दल के नेताओं का नाम सामने आ रहा है। मस्जिदों और चुनाव के बीच रणनीतिक हिस्सेदारी की कीमत भारत और विशेषकर मुस्लिम समाज कब तक चुकाता रहेगा? ये तो मुस्लिम समाज का सही में भला चाहने वाले सभी लोगों को सोचना चाहिए। कारण? मुस्लिम समाज कुछ परिवारों के लिए केवल मतगणना वाली संख्या और वामपंथियों के लिए 'सोशल कैपिटल' भर तो नहीं है न? राहुल गाँधी बहराइच नहीं जाते, 'जस्टिस फॉर आर जी कर' हेतु कोलकाता नहीं आते पर संभल जाते है। कारण मूलतः मतगणना की संख्या में छिपा है। नहीं तो कोई नेता प्रतिपक्ष संसद में 'हिन्दू को हिंसक' कह सकता है भला? ये 'हिन्दू-फोबिया' नहीं तो और क्या है।

इकनोमिक टाइम्स और टाइम्स ऑफ़ इंडिया के रिपोर्ट के अनुसार सम्भल हिंसा के मामले में पाकिस्तान से जुड़े होने का सबूत पाया गया है। घटना स्थल से फॉरेंसिक टीम और नगर निगम की टीम द्वारा मंगलवार को ड्रेनों से छह खाली कारतूस बरामद किए गए। इनमें से एक कारतूस पाकिस्तान में बना था, जबकि एक अन्य अमेरिका में निर्मित था। क्या आपने इस पर इस देश के नेता प्रतिपक्ष का कोई वक्तव्य सुना? देश के आतंरिक सुरक्षा में विदेशी शक्तियों के सेंध की ओर ध्यानाकर्षित करने वाली इस रिपोर्ट के आधार पर तो एक रचनात्मक विपक्ष देश के सरकार से प्रश्न पूछता। वो भी तब जब संसद सत्र चल रहा है। पर वो पूछे कैसे जब उन पर ही ये आरोप लग रहा है कि वो जार्ज सोरोस जैसों के एजेंट हैं! लोकसभा में निशिकांत दुबे ने और राजयसभा में सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के ओसीसीआरपी, जार्ज सोरोस और अन्य भारत विरोधी शक्तियों से सम्बन्ध पर तथ्यों के साथ बोला। पेगासस, हिंडनबर्ग, बीबीसी डाक्यूमेंट्री और अन्य ऐसे ही मुद्दों पर संसद सत्र में प्रियंका गाँधी, संजय राउत, राजदीप सरदेसाई जैसे लोगों का नाम ले कर और कब कैसे इन लोगों ने क्या गतिविधि की इस पर खुल कर बोले। हमने 'सुनो भाई साधो' के पिछले अंकों में इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की थी। इस बार संसद सत्र में जब इन मुद्दों पर चर्चा हुई तब राहुल गाँधी को चाहिए कि वो संसद में निशिकांत दुबे के प्रश्नों का जवाब दें। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस गुट को इस मुद्दे पर देश की जनता को सत्य बताना चाहिए। एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रिय राजनीतिक दल, नेता प्रतिपक्ष और पत्रकारों के नाम और गतिविधियों को संसद की बहस में तथ्यों के साथ जब रखे जाते हैं तब ये चिंता का विषय बन जाता है। विपक्ष को सत्य बताकर हम सभी को इस चिंता से मुक्त करना चाहिए।

(लेखक स्तंभकार हैं)

ज्योतिर्विद * ब्रजेन्द्र श्रीवास्तव

साप्ताहिक ज्योतिष पत्रिका

रविवार 08 दिसम्बर से शनिवार 14 दिसम्बर 2024 तक

विक्रम सम्वत 2081, शकाब्द 1946 कलियुग सम्वत 5125, कालयुक्त नाम सम्वतसर। रविवार 8 दिसम्बर से शनिवार 14 दिसम्बर 2024 मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी तिथि से मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी तिथि तक। **रविवार 8 दिसम्बरः** भानु सप्तमी व्रत, मासिक दुर्गा सप्तमी व्रत। **बुधवार 11 दिसम्बरः** आज

व्रत उत्सव

दशमी विद्धा पहली एकादशी, आज गीता जयंती, गीता पाठ करना चाहिए। गीता पर मनन चिंतन, वार्ता होना चाहिए। **गुरुवार 12 दिसम्बरः** आज द्वादशी युक्त दूसरे दिन की एकादशी, निम्बार्क वैष्णवों व अन्य अधिकांश वैष्णवों की। **शुक्रवार 13 दिसम्बरः** दक्षिण में कर्नाटक में मान्य श्री हनुमान जयंती, आज मार्गशीर्ष त्रयोदशी को। आज प्रदोष व्रत सूर्यास्त बाद 48 मिनिट के प्रदोषकाल में शिव पार्वती का ध्यान मंत्रजप पूजन। **शनिवार 14 दिसम्बरः** आज चन्द्रोदय व्यापनी पूर्णिमा, आज व्रत की पूर्णिमा तथा भगवान दत्रात्रेय जयंती। **अगले सप्ताहः** रविवार 15 दिसम्बर को दान स्नान की पूर्णिमा, मृगशीर्ष नक्षत्र पर पूर्णिमा होने से इस मास का नाम मार्गशीर्ष है। आज श्री त्रिपुर भैरवी जयंती पूर्णिमा।

आकाश दर्शन और मौसम सूर्यास्त होते ही बड़े आकार में ब्रहस्पति ग्रह पूरब में दिख रहा है यह इन दिनों पृथ्वी के निकट है। इस शुक्र शनिवार को चन्द्रमा का गुरू से योग दर्शनीय है। **मौसमः** बुध उदय के बाद मार्गी, वर्षा कारक है।

व्यापार भविष्य वित्त बैंकिंग, मैटल, आईटी के शेयरों में अच्छी तेजी का ग्रह संकेत सप्ताहांत में है। सोमवार को चन्द्र राहु योग अस्थिरता कारक रह सकता है।

मेष- आपकी राशि से सूर्य गुरु का प्रतियुति योग चल रहा है यह आपको आध्यात्मिक क्षेत्र में अच्छी अनुभूति दे सकता है और वाणी सिद्धि की दृष्टि से भी यह योग महत्वपूर्ण है। व्यापार रोजगार में रुके हुए काम आपके पक्ष में बन सकते हैं, वाद-विवाद भी आपके पक्ष में निपट सकता है। सप्ताह के सोमवार मंगलवार कुछ अशांति क्लेश और खर्चीले रह सकते हैं। जबकि बुधवार गुरुवार शुक्र शनिवार मान सम्मान बढ़ाने वाले और कार्य सिद्धि तथा व्यापार लाभदायक रहेंगे। संतान पक्ष की ओर से प्रसन्नता के प्रसंग होने का संकेत भी है।

वृष- आपकी राशि पर बृहस्पति और चंद्रमा का शुभ योग शुक्रवार शनिवार की शाम पूर्व दिशा में दिखाई दे रहा है यह आपकी मान प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा, किसी बड़े कार्य में आपको सफलता मिलेगी तथा ध्यान साधना में ईश्वरीय अनुकम्पा का अनुभव भी हो सकता है। सप्ताह के शुरू में पुराने कार्य को निपटाने का असमंजस रहेगा तथा काम आधे अधूरे ही बने रह सकते हैं। खर्च और व्यस्तता बढ़ सकती है। सप्ताह के आखिर में प्रसन्नता सफलता और व्यापार लाभ बढ़ने का योग है। रविवार मंगलवार शुक्र शनिवार अपेक्षाकृत अनुकूल दिन रहेंगे।

मिथुन- इस सप्ताह बड़े कार्यो में सामाजिक कार्यों में एवं परोपकार में खर्च होने का ग्रह योग है। उपयोगी यात्रा प्रसंग भी हो सकते हैं। सप्ताह के शुरू में आप अपने कामकाज में प्राथमिकताओं को लेकर कुछ असमंजस में रहेंगे इस कारण कुछ काम आधे अधूरे भी छूट सकते हैं। सप्ताह मध्य मित्रों से अच्छी मदद मिलेगी तथा व्यापार रोजगार में भी उपयोगी लेनदेन का योग है। सत्ता के आखिर में विभिन्न प्रकार के खर्च बढ़ सकते हैं व्यापार रोजगार में लाभ और सफलता की दृष्टि से सप्ताह सामान्य रहेगा।

कर्क- आपको अपने कारोबार की प्रकृति के अनुसार इस तथा अगले सप्ताह कई क्षेत्रों से अच्छा लाभ हो सकता है। आपकी मित्रता का दायरा बढ़ेगा तथा प्रभावशाली वर्ग से भी अच्छा संपर्क आपका बना रहेगा। शुभ कार्यों में भागीदारी का ग्रह योग भी है। सप्ताह के शुरू में यात्रा को लेकर कुछ असमंजस रह सकता है तथा इसमें और अन्य कार्यक्रम में कुछ फेरबदल हो सकते हैं। सप्ताह के आखिर में कामकाज में सफलता और व्यापार में लाभ वृद्धि का योग है।

सिंह- आपकी राशि के स्वामी सूर्य का बृहस्पति से शुभयोग इन दिनों चल रहा है। इसका अच्छा असर आपके कार्य क्षेत्र पर पड़ेगा आपको नए कार्य से जुड़ने का मौका मिलेगा तथा प्रभावशाली वर्ग से भी आपकी निकटता बढ़ेगी। आपको कारोबार का विस्तार करने का नया अवसर मिलेगा। सप्ताह के शुरू में पुरानी समस्याएं कुछ उलझन परेशान कर सकती हैं जिनका समाधान इसी सप्ताह मध्य हो जाएगा। व्यापार रोजगार में सफलता और निजी जीवन में प्रसन्नता के लिहाज से बुधवार से शनिवार तक उत्तम दिन रहेंगे।

कन्या- आपको अपने कार्य क्षेत्र में नए तरीकों के काम काज सीखने के अवसर मिलेंगे। आपकी बौद्धिक सफलता की प्रशंसा होगी। प्रतीक्षित मामलों में अच्छी खबर भी मिल सकती है। धार्मिक आध्यात्मिक कार्यों में भी प्रवृत्ति कुछ अधिक रह सकती है। सप्ताह के शुरू में प्रिय जनों से सोमवार मंगलवार के लगभग कुछ तनाव उभर सकते हैं। रुके हुए मामलों में अच्छा उत्तर भी मिल सकता है। सप्ताह के आखिर में प्रसन्नता के कई तरह के प्रसंग हो सकते हैं। रविवार बुधवार शुक्र शनिवार उत्तम दिन रहेंगे।

तुला- आपकी राशि से गुरु सूर्य का योग आपकी वाणी का प्रभाव बढ़ाने में विशेष सहायक रहेगा। बातचीत में आपकी बात को महत्व दिया जाएगा। इस सप्ताह पहले के रुके काम जल्दी पूरे करने की चुनौती आपके सामने रह सकती है। इस कारण कुछ तनाव रह सकता है। पर इसे आप सफलतापूर्वक संपन्न कर सकेंगे। सप्ताह के शुरू में स्वास्थ्य संबंधी कुछ चिंताएं उभर सकती हैं जो सप्ताह समाप्त होते-होते दूर हो जाएंगी। व्यापार लाभ के लिहाज से लगभग पूरा सप्ताह ही अनुकूल है।

वृश्चिक- आपकी राशि से संचार कर रहे सूर्य का बृहस्पति से प्रति युति योग इस भी सप्ताह चल रहा है। इसका अच्छा असर आपके कार्य क्षेत्र पर पड़ेगा आपका प्रभामंडल बढ़ेगा तथा आपके कार्य को मान्यता भी मिलेगी। कामकाज में विस्तार करने के अवसर भी आपको प्राप्त होंगे। सप्ताह के शुरू में कुछ चिंताएं संतान पक्ष की ओर से रह सकती हैं जिनका समाधान हो जाएगा। जबकि सप्ताह के आखिर में व्यापार लाभ बढ़ाने का तथा आनंद व कई तरह के प्रसंग होने का योग है। इस सप्ताह के आखिर में यात्रा का संकेत भी है।

धनु- आपकी राशि के स्वामी बृहस्पति का सूर्य से प्रतियुति योग आपको अपनी जिम्मेदारियां को पूरा करने में मदद देगा। बढ़े हुए खर्च की व्यवस्था करने में भी आप सफल होंगे। कर्ज किश्त या अन्य देनदारी के भुगतान की चिंता का भी समाधान हो सकेगा। इस सप्ताह के शुरू में कुछ पारिवारिक चिंताएं और अशांति रह सकती है परंतु सप्ताह मध्य से वातावरण अनुकूल बनेगा सप्ताह के आखिर में व्यापार रोजगार में लाभ और मान सम्मान बढ़ने का योग भी प्रबल है। रविवार शनिवार उत्तम दिन रहेंगे।

मकर- आपको इस सप्ताह बौद्धिक और व्यापारिक कार्यों में अच्छी सफलता मिलेगी। आपके अनुमान सफल रहने से आपका लाभ भी बढ़ सकता है। संतान पक्षी और से प्रसन्नता के प्रसंग होने का योग भी है। अधिकारी और राज्य पक्ष से भी आपको अच्छा समर्थन होने का ग्रह संकेत है। सप्ताह के शुरू में मन कुछ अशांत रह सकता है लघु यात्रा संभावित रहेगी। नए परिचितों से लेनदेन में और वार्ता में सप्ताह के शुरू में सावधानी रखें खासकर इस सोमवार और मंगल को। रविवार शुक्रवार और शनिवार सप्ताह के अपेक्षाकृत अनुकूल और लाभप्रद दिन रहेंगे।

कुंभ- आपकी परिस्थिति के अनुसार आपका राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव बढ़ेगा, आपको पद प्रतिष्ठा भी मिल सकती है। व्यापार रोजगार के क्षेत्र में आपको कारोबार को बढ़ाने के और अवसर मिल सकते हैं। नए लाभकारी समझौते भी हो सकते हैं। सप्ताह के शुरू में बातचीत में गलतफहमी के प्रति सावधानी रखें खासकर इस सोमवार और मंगलवार को। किसी एलर्जी भी सप्ताह के शुरू में स्वास्थ्य कष्ट संभावित है। रविवार बुधवार शुक्र शनिवार विशेष अनुकूल दिन रह सकते हैं।

मीन- आपकी राशि के स्वामी बृहस्पति का सूर्य से भाग्यस्थान पर प्रतियुति योग इस सप्ताह तक चलेगा। यह आपको कई क्षेत्रों में संयोग वश अच्छे लाभ करा सकता है और पद प्रतिष्ठा में भी बढ़ोतरी कर सकता है। यदि आप ध्यान साधना कर रहे हैं जो आपको विशेष तरह अनुभव भी हो सकते हैं। इस सप्ताह के शुरू में आपको निर्णय करने में कुछ असमंजस का सामना हो सकता है। घर परिवार में शुभ कार्य होने का योग है। इस सप्ताह अच्छी खबर मिलने का तथा यात्रा भ्रमण होने का और कारोबार में नए लाभकारी लेनदेन होने की संभावना भी है। सप्ताह के आखिर में सत्संग लाभ होने का संकेत भी है। बुधवार से शनिवार तक अपेक्षाकृत अनुकूल दिन हैं।

एडिलेड में भारत का टॉप आर्डर फेल, हार का संकट

हेड ने जड़ा शतक, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 337 रन, भारत ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर बनाए 128 रन

भारतीय टीम अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 29 रन पीछे

● एडिलेड,

ट्रैविस हेड (140) के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के प्रभावशाली प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को भारत को हार के संकट में ढकेल दिया है।

भारत की पहली पारी के 180 रनों के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बना कर भारत के खिलाफ 157 रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल की। दिन के खेल के अंतिम सत्र में अपनी दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरे भारतीय दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद के प्रहार को झेलने में असफल रहे और अपने पांच विकेट महज 128 रन पर गंवा बैठे। भारत अभी भी आस्ट्रेलिया की पहली पारी के स्कोर को छूने के लिये 29 रन दूर है। स्टंप के समय ऋषभ पंत 28 और नीतिश कुमार रेड्डी 15 रन बना कर क्रीज पर मौजूद हैं। अपना बल्लेबाजी क्रम में बदलने वाले कप्तान रोहित शर्मा (6) का बल्ला दूसरी पारी में भी नहीं चला वहीं पहले टेस्ट में शतक लगा कर भारत की जीत आसान करने वाले विराट कोहली (11) भी नहीं चले। केएल राहुल महज सात रन पर चलते बने जबकि पहली पारी में खाता खोलने में विफल रहे यशस्वी जायसवाल 24 रन के निजी स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। आज गिरने वाले पांच विकेटों में दो दो विकेट पैट कमिंस और स्कोट बोलैंड ने बराबर बराबर बांटे वहीं मिचेल स्टार्क के हाथ शुभमन गिल (28) का विकेट लगा। मैच के तीसरे दिन का दारोमदार आखिरी मान्यता प्राप्त जोड़ी पंत और रेड्डी पर होगा। यदि ये जोड़ी बड़ी साझेदारी करने में सक्षम होती है तो भारत की उम्मीदों को सहारा मिल सकता है हालांकि अब तक का मुकाबला पूरी तरह आस्ट्रेलिया के पक्ष में जाता दिख रहा है। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने अपने कल के स्कोर एक विकेट पर 80 रन से आगे खेलना शुरु किया। अपने होम ग्राउंड पर ट्रैविस हेड का

बल्ला आज भारतीय गेंदबाजों के सिर चढ़ कर बोली। अपने 31वें जन्मदिन से महज 21 दिन दूर हेड के आक्रामक अंदाज के मेजबान ही नहीं बल्कि भारतीय दर्शक भी कायल हो गये। एक छोर को अंगद के पांव की तरह क्रीज को पकड़े हेड ने लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से बेखौफ बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया और अपने करियर का सांतवा शतक पूरा किया। मो सिराज की गेंद पर क्लीन बोल्ड आउट होने से पहले उन्होने 17 चौके और चार गगनचुंबी छक्के लगाये। आस्ट्रेलिया की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह और सिराज दोनों ने चार-चार विकेट लिए जबकि नीतिश कुमार रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन को एक-एक विकेट मिला। भारत को आज पहली सफलता नैथन मैकस्वीनी (39) के तौर पर कप्तान बुमराह ने दिलायी जब वह उनकी एक बाहर जाती गेंद को छेड़ने के प्रयास में विकेट के पीछे लपके गये। स्टीव स्मिथ के पांव जमाने से पहले बुमराह ने उनको भी नैथन के आउट करने के अंदाज से चलता किया। मार्नस लाबुशेन (64) को नीतिश ने जायसवाल के हाथों कैच करा कर वापस भेजा। वहीं मिचेल मार्श (9) रविचंद्रन अश्विन का शिकार बने। उनके आउट होने की अपील विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने की जबकि अश्विन खामोश खड़े थे। अंपायर की अंगुली उठते ही वह खुशी से झूम उठे और मार्श ने भी अंपायर के फैसले का सम्मान करते हुये अपने ग्लब्स उतार दिये।

एक छोर पर खड़े होकर भारतीयों की बखिया उधेड़ रहे हेड को अब अगली पार्टनरशिप एलेक्स कैरी (15) के साथ करनी थी जिसका विकेटकीपर बल्लेबाज ने भरपूर सम्मान किया। कैरी हालांकि सिराज का शिकार बने वहीं कप्तान पैट कमिंस (12) की गिल्लियां बुमराह ने उड़ायीं। इससे पहले हेड का विकेट सिराज के झोली में जा चुका था।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 180 रन

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4	6
ख्वाजा का शर्मा बो बुमराह	13	35	2	0
मैकस्वीनी का पंत बो बुमराह	39	109	6	0
मार्नस का जयसवाल बो नीतीश	64	126	9	0
स्टीवन स्मिथ का पंत बो बुमराह	02	11	0	0
ट्रैविस हेड बो सिराज	140	141	17	4
मिशेल मार्श का पंत बो अश्विन	09	26	1	0
केरी का पंत बो सिराज	15	32	0	0
पैट कमिंस बो बुमराह	12	22	2	0
स्टार्क का हर्षित बो सिराज	18	15	3	0
नाथन लियोन नाबाद	04	6	0	0
स्कॉट बोलैंड बो सिराज	00	9	0	0

अतिरिक्त : 21 रन

कुल : 87.3 ओवर में 337 रन पर ऑलआउट

विकेट पतन: 1-24, 2-91, 3-103, 4-168, 5- 208, 6-282, 7-310, 8-332, 9-332, 10-337

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	23	5	61	4
मोहम्मद सिराज	24.3	5	98	4
हर्षित राणा	16	2	86	0
नीतीश कुमार रेड्डी	6	2	25	1
रविचंद्रन अश्विन	18	4	53	1

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का कैरी बो बोलैंड	24	31	4	0
राहुल का कैरी बो कमिंस	07	10	1	0
गिल बो स्टार्क	28	30	3	0
विराट कोहली का कैरी बो बोलैंड	11	21	1	0
ऋषभ पंत नाबाद	28	25	5	0
रोहित शर्मा बो कमिंस	06	15	1	0
नितीश कुमार रेड्डी नाबाद	15	14	3	0

अतिरिक्त : 09 रन

कुल : 24 ओवर में पांच विकेट पर 128 रन

विकेट पतन: 1-12, 2-42, 3-66, 4-86 , 5-105

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
मिचेल स्टार्क	9	0	49	1
पैट कमिंस	8	0	33	2
स्कॉट बोलैंड	7	0	39	2

हेड पिंक-बॉल टेस्ट के शीर्ष बल्लेबाजों के क्लब में शामिल

एडिलेड, वार्ता: ट्रैविस हेड ने शनिवार को यहां एडिलेड में शानदार पारी खेल कर दिन-रात्रि टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष रन बनाने वाले बल्लेबाजों में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने इस प्रारूप में अपना तीसरा शतक जमाया है। रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर मिड-विकेट पर फ्लिक मारकर हेड ने यह उपलब्धि हासिल की। इस मौके पर उनकी पत्नी और छोटा बच्चा हजारों दर्शकों के साथ स्टैंड से उनका अभिवादन कर रहे थे। शतक के बाद, हेड ने अपने बल्ले का हैंडल अपने हेलमेट पर रखा, जो उनका एक प्रतिष्ठित इशारा था। एडिलेड में हेड के शतक ने ऑस्ट्रेलिया को पलटवार करने और मेहमान टीम को दवाब में रखने का बेहतरीन मौका दिया है। हेड ने इससे पहले भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किये हैं, जिसमें 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फाइनल में उनका महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। एडिलेड ओवल में उनका रिकॉर्ड हमेशा मजबूत रहा है, और आज का शतक इस मैदान पर उनकी शानदार उपलब्धियों में इजाफा करता है। दिन-रात टेस्ट में, हेड का शतक उन्हें शीर्ष बल्लेबाजों के एक विशिष्ट समूह में रखता है। इस समूह में सबसे आगे ऑस्ट्रेलियाई टीम के उनके साथी मार्नस लाबुशेन हैं, जिन्होंने चार शतक बनाए हैं, जबकि हेड का नाम अब असद शफीक और दिमुथ करुणारत्ने के साथ जुड़ गया है।

दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका 221 रन से आगे

केबेरा, वार्ता : दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन साउथ अफ्रीका ने 221 रन की बढ़त बना ली है। स्टंप्स तक टीम का स्कोर 191/3 रहा। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 358 और श्रीलंका ने 328 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका से रायन रिकेलटन और काइल वेरियन ने सेंचुरी लगाईं। वहीं श्रीलंका से पाथुम निसांका ने सबसे ज्यादा 89 रन बनाए। चौथे दिन का खेल भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम से रिकेलटन ने 101 और वेरियन ने 105 रन बनाए। कप्तान टेम्बा बावुमा 78 रन बनाकर आउट हुए, वहीं ऐडन मार्करम ने 20 और कगिसो रबाडा ने 23 रन बनाए। बाकी प्लेयर्स 10 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। श्रीलंका से लहिरु कुमारा ने 4 और असिथा फर्नांडो ने 3 विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो को 2 और धनंजय डी सिल्वा को 1 विकेट मिला। श्रीलंका ने पहली पारी में मजबूत शुरूआत की। दिमुथ करुणारत्ने ने 20, दिनेश चांदीमल ने 44, एंजलो मैथ्यूज ने 44 और कमिंडु मेंडिस ने 48 रन बनाकर टीम को 300 के करीब पहुंचाया।

सार संक्षेप

अनमोल, सतीश गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 के फाइनल में

गुवाहाटी : मेजबान भारत के पास यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम दिन महिला एकल अनमोल खरब, पुरुष एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त सतीश कुमार करुणाकरण और महिला एकल में तीन खिताब जीतने का मौका होगा। युगल में गत चैंपियन अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो ने जीत दर्ज करते हुए अपने सेमीफाइनल मैच जीते और शिखर मुकाबलों में अपना स्थान पक्का किया। महिला एकल सेमीफाइनल में, अनमोल ने मानसी सिंह को केवल 40 मिनट में 21-19, 21-17 से हराया और सतीश कुमार ने छठे वरीय चीन के वांग झेंग जिंग पर 13-21, 21-14, 21-16 से जीत के साथ दिन का अंत किया। महिला युगल के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त अश्विनी और तनीषा ने सेमीफाइनल में चीन की केंग शू लियांग और वांग टिंग गे को 21-14, 21-14 से हराया। उनका सामना ली हुआ झोउ और वांग जी मेंग की एक और चीनी जोड़ी से होगा। सत्रह वर्षीय अनमोल, जो इस साल पहले ही दो अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीत चुकी हैं। अब अपने नए करियर के पहले सुपर 100 खिताब का लक्ष्य लेकर चीनी क्वालीफायर कै यान यान से भिड़ेंगी। पुरुष एकल फाइनल में सतीश कुमार अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में एक और सुपर 100 खिताब जोड़ने की कोशिश करेंगे। पिछले साल ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 जीतने वाले 23 वर्षीय खिलाड़ी का सामना एक अन्य चीनी क्वालीफायर झू जुआन चेन से होगा। मिश्रित युगल फाइनल में चीन के झांग हान यू और बाओ ली जिंग का मुकाबला इंग्लैंड के रोरी ईस्टन और लिजी टॉल्मन से होगा, जबकि पुरुष युगल फाइनल में चीन के हुआंग डि और लियू यांग का मलेशिया के चिया वेइजी और ल्वी शेंग हाओ से मुकाबला होगा।

पाकिस्तान हॉकी में स्वर्णिम संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं सुफियान

लाहौर : तेजी से उभरते ड्रैग-फ्लिकर सुफियान खान ने विश्वास जताया है कि 2025 में पाकिस्तान की हॉकी टीम किसी बड़े टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतेगी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की बढ़ती संख्या के साथ, सुफियान का मानना है कि वैश्विक हॉकी में सफल वापसी की नींव रखी जा चुकी है। हाल ही में एफआईएच राइजिंग स्टार नामित किये गये सूफियान ने कहा कि हालांकि खिलाड़ियों, महासंघ और सरकार द्वारा बहुत काम किया जाना बाकी है, लेकिन संकेत उत्साहजनक हैं कि पाकिस्तान अगले साल से स्वर्ण पदक हासिल करने की स्थिति में होगा। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान मस्कट, ओमान में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किये गये सुफियान ने यहां नेशनल हॉकी स्टेडियम में डॉन को एक विशेष साक्षात्कार में बताया कि वह मस्कट में जूनियर एशिया कप में भी शीर्ष स्कोरर रहे, जहां पाकिस्तान फाइनल में भारत से 5-3 से हार गया। पाकिस्तान इस मैच में 3-1 से पिछड़ने के बाद बन्नू में जन्मे सुफियान केने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए दो गोल की बदौलत 3-3 से बराबरी पर आ गया था मगर आखिरकार जीत भारत की हुयी। सुफियान ने बताया कि 3-3 से बराबरी के बाद उम्मीद थी कि पाकिस्तान बढ़त ले सकता है, लेकिन भारतीय बेहतर तरीके से तैयार थे। भारतीय टीम एक साल के प्रशिक्षण दौरे के बाद सीधे हॉलैंड से आई थी और अच्छी तरह से तैयार थी।

वेलिंगटन टेस्ट में न्यूजीलैंड की हालत पतली

गस ऐटकिंसन ने झटके चार विकेट, न्यूजीलैंड को 125 रन पर समेटा

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर बनाए 378 रन, कुल बढ़त 533 रन की

● वेलिंगटन,

धारदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में दूसरे दिन शनिवार को अपना शिकंजा कस लिया है।

गस ऐटकिंसन (31 रन पर चार विकेट) और ब्राइडन कार्स (46 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने मेजबान टीम को 125 रनों पर समेट दिया। बाद में बेन डकेट (92),जेकब बेथेल (96),जो रुट (73 नाबाद) और हैरी ब्रूक (55) की शानदार पारी की मदद से पांच विकेट पर 378 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर लिया। इंग्लैंड ने पहली पारी के 280 रन बनाये

थे। इस तरह इंग्लैंड की कुल बढ़त 533 रन की हो चुकी है। अनुभवी केन विलियम्सन (37) ने न्यूजीलैंड की पहली पारी में सर्वाधिक स्कोर बनाया। कीवी टीम के चार सदस्य शून्य के स्कोर पर आउट हुये वहीं रचिन रविंद्र (3) और डैरिल मिचेल छह रन बना कर आउट हुये।

जूनियर एशिया कप में अपना खिताब बचाने को भारत तैयार

● मस्कट,

भारतीय महिला टीम ओमान में जूनियर एशिया कप का खिताब बचाने के इरादे से अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

सात से 15 दिसंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी काम करेगा, जो चिली में खेला जाना है। भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडकर, कप्तान ज्योति सिंह और उपकप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो और मुमताज खान जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल चुकी हैं। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था। भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार भिड़ेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। कप्तान ज्योति ने कहा कि हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब बचाना चुनौतीपूर्ण होने वाला है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सब कुछ देगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब घर लाने के लिए दोगुना प्रतिबद्ध हैं। उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा कि टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी मेहनत की है।

नौंवी बार 'एशिया' फतह करने उतरेगा भारत

खिताबी मुकाबला आज बांग्लादेश से होगा, आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी पर होगी निगाहें

● दुबई,

मोहम्मद अमान के नेतृत्व वाली भारतीय टीम रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप अंडर-19 के खिताब के साथ साथ टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में सेमीफाइनल में पड़ोसी देश से मिली हार का हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

भारत और बांग्लादेश 2023 सेमीफाइनल के दोबारा मुकाबले में आमने-सामने होंगे। यह गत चैंपियन और सबसे अधिक आठ बार एसीसी अंडर एशिया कप ट्रॉफी वाले देश के बीच मुकाबला होगा। मैच आज सुबह सवा दस बजे दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरु होगा जिसका सजीव प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जायेगा। मौजूदा प्रतियोगिता में पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में मिली हार को छोड़ दें तो भारत ने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को बड़े अंतर से हराया है, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ कल का सेमीफाइनल मैच भी शामिल है, जहां उन्होंने 28 ओवर शेष रहते हुए सात विकेट से आसानी से

जीत हासिल की। दूसरी ओर, बांग्लादेश भी उतना ही प्रभावशाली रहा है, जिसने ग्रुप चरण में श्रीलंका से केवल एक मैच हारा और दिन के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। भारत के लिए, आयुष म्हात्रे और 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने अब तक खेले गए चार मैचों में क्रमशः 175 और 167 रन के साथ सबसे अधिक स्कोरिंग की है। बांग्लादेश के लिए उनका हथियार गेंदबाजी आक्रमण है जो अब तक विरोधी टीम के लिये घातक साबित हुआ है।

मोहम्मद अल फहद 10 विकेट के साथ विकेट लेने वालों की संख्या में सबसे आगे हैं, उनके बाद मोहम्मद इकबाल हसन इमोन हैं, जिनके पास भी इतने ही विकेट हैं। कुल मिला कर देखा जाये तो यह भारत के रोमांचक बल्लेबाजी क्रम और बांग्लादेश की मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप के बीच टकराव होगा। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में बांग्लादेश ने सेमीफाइनल मैच में भारत को 43 गेंद शेष रहते चार विकेट से हराया था जिसके बाद उसने मेजबान संयुक्त अरब अमीरात को फाइनल में हरा कर खिताब अपने नाम किया था। दूसरी ओर भारत 1989, 2003, 2012, 2013-14, 2016, 2018, 2019, 2021 में एशिया कप की प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने घर लाने में सफल रहा है।

विश्व शतरंज में गुकेश और लिरेन के बीच 10वीं बाजी भी ड्रा

चेन्नई, विश्व शतरंज चैंपियनशप में चैलेंजर डी.गुकेश और मौजूदा चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के बीच दसवीं बाजी भी बराबरी पर छूटी। यह मुकाबला 36 चालों तक चला। यह लगातार सातवां और 14 मैचों के क्लासिकल गेम में आठवां ड्रॉ है। चार गेम शेष रहते हुए दोनों खिलाड़ी 5-5 अंकों के साथ बराबरी पर हैं। शेष खेलों में 2.5 अंक हासिल करने वालों को विश्व खिताब का ताज पहनाया जाएगा। व्हाइट के साथ खेलते हुए, डिंग लिरेन ने एक बार फिर लंदन प्रणाली को दोहराते हुए उस पंक्ति को चुना जिसका उपयोग उसने खेल छह में किया था। 11वां गेम रविवार को होगा जब गुकेश सफेद मोहरों से खेलेंगे।

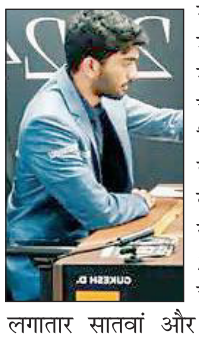

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)